epaper.dehatsandesh.com

3 इंद्रजीत केसर के डोगरी उपन्यास 'दोहरी' का विमोचन किया

5 महिला एशेज से बाहर हुई आस्ट्रेलियाई आलराउंडर सोफी मोलिनक्स

8 रबी फसलों में जल प्रबन्धन उपयोग एवं महत्व

मौसम जम्मू — न्यूनतम 4 — अधिकतम 19

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

# देहात संदेश

वर्ष-21, जम्मू तवी, अंक-312 | जम्मू तवी, रविवार 29 दिसम्बर, 2024 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

# पंचतत्व में विलीन हुए पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, 21 तोपों की दी गई सलामी

**नयी दिल्ली, 28 दिसंबर।** पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का शनिवार को यहां निगमबोध घाट पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया और उनका पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन हो गया।

डॉ. सिंह के अंतिम संस्कार में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, भूटान नरेश जिग्मे खेसर नमगायेल वांगचुक, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू, भाजपा अध्यक्ष तथा केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ ही कई केंद्रीय मंत्री, राजनयिक तथा अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए।

इससे पहले उनके पार्थिव शरीर को कांग्रेस मुख्यालय में अंतिम दर्शन के लिए रखा गया जहां उनके परिवार के सदस्यों के साथ ही कांग्रेस में कई प्रमुख नेताओं ने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। उसके बाद उनके पार्थिव शरीर को काफिले के साथ निगमबोध घाट लाया गया। उनकी अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में लोग उमड़े, लेकिन निगम बोध घाट पर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त होने के करण जो लोग कांग्रेस मुख्यालय से शव यात्रा में करीब 11 किलोमीटर पैदल चलकर घाट पर पहुंचे उनमें सबको अंदर जाने नहीं दिया गया।

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर पंचतत्व मे विलीन हो गया है। नम आंखों से परिवार के सदस्यों, कांग्रेस पार्टी के नेता और अन्य नेताओं की मौजूदगी में डॉ. मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन हुआ है। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का दिल्ली स्थित एम्स अस्पताल में गुरुवार 26 दिसंबर को 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया था।

# कश्मीर में भारी बर्फबारी से जनजीवन अस्त-व्यस्त; उड़ानें, रेल सेवाएं निलंबित, जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग बंद

**श्रीनगर, 28 दिसंबर।** अधिकारियों ने बताया कि घाटी के अधिकांश इलाकों में बर्फबारी होने से शनिवार को कश्मीर में सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया जिससे उड़ान और रेल परिचालन बाधित हुआ और श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग भी बंद हो गया।

शुक्रवार से कश्मीर भर में मध्यम से भारी बर्फबारी दर्ज की गई जिसमें श्रीनगर शहर और घाटी के अन्य मैदानी इलाकों में मौसम की पहली बर्फबारी शामिल है।

दक्षिण कश्मीर में मैदानी इलाकों में भारी से बहुत भारी बर्फबारी दर्ज की गई, जबकि मध्य कश्मीर के मैदानी इलाकों में मध्यम बर्फबारी हुई। उत्तरी कश्मीर के मैदानी इलाकों में हल्की से मध्यम बर्फबारी हुई।

श्रीनगर में लगभग आठ इंच बर्फबारी दर्ज की गई जबकि पड़ोसी गंदरबल में लगभग सात इंच बर्फबारी दर्ज की गई। अधिकारियों ने बताया कि प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सोनमर्ग में लगभग आठ इंच बर्फबारी दर्ज की गईउन्होंने बताया कि श्रीनगर-लेह राजमार्ग के साथ ज़ोजिला अक्ष पर लगभग 15 इंच बर्फबारी हुई। बडगाम जिले के इलाकों में 7-10 इंच बर्फबारी हुई जबकि अनंतनाग जिले के मैदानी इलाकों में लगभग 17 इंच बर्फबारी दर्ज की गई। अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण कश्मीर जिले के ऊपरी इलाकों में दो फीट से अधिक बर्फबारी हुई। पर्यटन नगरी पहलगाम में 18 इंच ताजा बर्फबारी दर्ज की गई।

अधिकारियों ने बताया कि पुलवामा जिले के इलाकों में 10-15 इंच बर्फबारी दर्ज की गई जबकि पड़ोसी कुलगाम में 18-25 इंच और शोपियां में लगभग 18 इंच बर्फबारी दर्ज की गई। उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा जिले में मैदानी इलाकों में चार इंच बर्फबारी दर्ज की गई जबकि गुरेज सहित ऊंचे इलाकों में 6 से 10 इंच बर्फबारी हुई। अधिकारियों ने बताया कि बारामुल्ला जिले के इलाकों में 4-9 इंच बर्फबारी दर्ज की गई जबकि गुलमर्ग के प्रसिद्ध स्की रिसॉर्ट में लगभग 15 इंच बर्फबारी हुई। कुपवाड़ा के मैदानी इलाकों में 1-2 इंच बर्फबारी हुई, जबकि इसके ऊपरी इलाकों में 2-3 इंच बर्फबारी दर्ज की गई। हालांकि स्थानीय लोगों और पर्यटकों ने बर्फबारी का स्वागत किया लेकिन इससे सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। यातायात विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बर्फबारी के कारण जम्मू-

श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) यातायात के लिए बंद कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि नवयुग सुरंग में भारी बर्फबारी के कारण निकासी कार्य में बाधा आ रही है। लोग और मशीनरी काम पर लगी हुई है और यात्रियों को मौसम में सुधार होने और सड़क साफ होने तक यात्रा करने से बचने की सलाह दी गई है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि ट्रैक पर भारी बर्फ जमा होने के कारण बनिहाल-बारामुल्ला खंड पर ट्रेन सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं। उन्होंने बताया कि ट्रैक को साफ करने के प्रयास जारी हैं। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि बर्फबारी के कारण हवाई अड्डे पर उड़ान संचालन निलंबित होने के कारण श्रीनगर से आने-जाने वाला हवाई यातायात भी प्रभावित हुआ है।

खराब मौसम की स्थिति के कारण श्रीनगर हवाई अड्डे पर सभी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। खराब मौसम के कारण सुबह से हवाई अड्डे पर कोई भी उड़ान संचालन नहीं हो सका।

अधिकारियों ने बताया कि बर्फ हटाने का काम जारी है रनवे को साफ कर दिया गया है और मौसम में सुधार होने के बाद ही परिचालन फिर से शुरू हो सकेगा। शुक्रवार शाम से ही हवाई अड्डे पर उड़ान परिचालन प्रभावित है।

संबंधित जिला मुख्यालयों पर बर्फ हटाने का अभियान शुरू कर दिया है लेकिन अधिकांश मुख्य सड़कों और अस्पतालों की ओर जाने वाली सड़कों से बर्फ हटा दी गई है लेकिन कई आंतरिक सड़कें अभी भी अवरुद्ध हैं।

## जम्मू-कश्मीर पुलिस साइबर अपराध जांच इकाई ने '8,40,090 रुपये मूल्य के 45 स्मार्टफोन बरामद किए

**डोडा 28 दिसंबर, हि.स.।** आम जनता को सेवाएं प्रदान करने और उनकी शिकायतों को दूर करने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए साइबर अपराध जांच इकाई डोडा को मोबाइल फोन गुम होने की विभिन्न शिकायतें मिलीं और अथक प्रयासों के बाद डोडा पुलिस की साइबर अपराध जांच इकाई ने सीआईईआर पोर्टल और इएसयू डोडा की तकनीकी मदद से देश के विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों जैसे राजस्थान, पंजाब, दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश आदि से 45 खोए हुए मोबाइल फोन का पता लगाया और उन्हें बरामद किया जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 8,40,090 रुपये है।एसएसपी डोडा संदीप कुमार मेहता-जेकेपीएस ने बरामद मोबाइल फोन को जिला पुलिस कार्यालय डोडा में उनके असली मालिकों को सौंप दिया। एसएसपी डोडा ने आम जनता से अपील की कि वे अपने मोबाइल का पूरा ध्यान रखें क्योंकि उनमें व्यक्तिगत डेटा होता है और मोबाइल फोन के दुरुपयोग की पूरी संभावना होती है। अपने गुम/खोए हुए मोबाइल फोन मिलने पर मालिकों ने प्रसन्नता व्यक्त की और अपने गुम हुए मोबाइल का पता लगाने में उनके कठिन प्रयास के लिए जिला पुलिस डोडा के प्रति आभार व्यक्त किया। एसएसपी डोडा ने मोबाइल फोन की सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया और जनता से गुम हुए मोबाइल के मामले की सूचना नजदीकी पुलिस स्टेशनों को देने और सीआईईआर पोर्टल पर डेटा अपडेट करने का भी आग्रह किया ताकि फोन का इस्तेमाल राष्ट्र विरोधी तत्वों द्वारा न किया जा सके।

## देश में वित्त वर्ष 2023-24 में रिकॉर्ड कोयला उत्पादन

**नई दिल्ली, 28 दिसंबर।** भारत ने वित् त वर्ष 2023-24 में 997.826 मिलियन टन का अपना अब तक का सर्वाधिक कोयला उत्पादन किया, जो वित् त वर्ष 2022-23 में 893.191 मिलियन टन कोयला उत् पादन की तुलना में 11.71 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। कोयला मंत्रालय ने शनिवार को एक स पोस् ट में बताया कि 2024 में मंत्रालय ने एक परिवर्तनकारी वर्ष देखा है, जिसमें उत्पादन, स्थिरता और तकनीकी नवाचार में अभूतपूर्व उपलब्धियाँ दर्ज की गई हैं। प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में मंत्रालय भारत को विकसित भारत की ओर तेजी से आगे बढ़ा रहा है, ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत कर रहा है और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दे रहा है। मंत्रालय के मुताबिक एकीकृत कोयला रसद योजना के तहत केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2030 तक 1.5 बीटी कोयला के उत्पादन का लक्ष्य रखा है।

# भारत के लिए डॉ. मनमोहन सिंह की सेवाओं को सदैव याद रखा जाएगा : प्रधानमंत्री मोदी

**नई दिल्ली, 28 दिसंबर।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को निगमबोध घाट पर अंतिम श्रद्धांजलि देने के बाद कहा कि डॉ. सिंह की देश सेवा को सदैव याद रखा जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने श्मशान घाट पर डॉ. सिंह को अंतिम श्रद्धांजलि देने की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा करते हुए लिखा, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की। भारत के लिए उनकी सेवाओं को सदैव याद रखा जाएगा। उल्लेखनीय है कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का आज निगमबोध घाट पर पूरे राजकीय सम्मान और सिख परंपरा के साथ अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार से पहले उन्हें 21 तोपों की सलामी दी गई और सिख धर्मगुरुओं और परिवार के सदस्यों ने गुरबानी का पाठ किया। इससे पूर्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने श्मशान घाट पर पूर्व प्रधानमंत्री को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की।

# उपराज्यपाल ने जम्मू में कश्मीरी पडित प्रीमियर लीग के 5वें संस्करण का उद्घाटन किया

**जम्मू 28 दिसंबर।** उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू के एम.ए. स्टेडियम में कश्मीरी पंडित प्रीमियर लीग के 5वें संस्करण का उद्घाटन किया।

अपने संबोधन में उपराज्यपाल ने जम्मू में सबसे बड़े क्रिकेट टूर्नामेंट में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। उपराज्यपाल ने कहा, जीवन को खेलों से ही परिभाषित किया जा सकता है। जीवन का एक मुख्य उद्देश्य शरीर, मन और आत्मा के बीच एक अच्छा संतुलन बनाए रखना है और खेल हमें यही सिखाते हैं। उन्होंने कहा कि खेल का मैदान हमें सपनों को कार्य और प्रदर्शन में बदलने के लिए प्रेरित करता है ताकि समाज और अधिक ऊर्जावान बन सके। खेल हमें असंभव को प्राप्त करने का साहस और दृढ़ संकल्प देता है।'' खेल हमें सपने देते हैं और उन सपनों को पूरा करने की शक्ति और साहस प्रदान करते हैं। उपराज्यपाल ने खेलों को बढ़ावा देने के प्रयास के लिए ललितादित्य खेल, शिक्षा और स्वास्थ्य संगठन को बधाई दी। उपराज्यपाल ने कहा, मैं अक्सर एक बात कहता हूं कि किसी भी खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किसी अन्य खिलाड़ी या टीम के लिए नहीं होता है, बल्कि वह अपनी सीमाओं को पार करने के लिए खेलता है। उन्होंने कहा कि कश्मीरी पंडित प्रीमियर लीग जैसी पहल खिलाड़ियों को अपनी क्षमताओं को निखारने और अपनी सीमाओं को पार करने के लिए एक जीवंत मंच प्रदान करेगी। इससे देश के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले कश्मीरी पंडित समुदाय के सदस्यों के बीच अच्छा तालमेल विकसित करने में भी मदद मिलेगी। इस अवसर पर उपराज्यपाल ने कश्मीरी पंडित समुदाय के कल्याण और सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

# मुख्यमंत्री उमर द्वारा बर्फ हटाने, बिजली और पानी की आपूर्ति बहाल करने की समीक्षा बैठक

**गांदरबल 28 दिसंबर।** मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कश्मीर घाटी में भारी बर्फबारी के बाद बर्फ हटाने के कार्यों और आवश्यक सेवाओं की बहाली की समीक्षा हेतु जम्मू-कश्मीर के सभी जिलों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस बैठक बुलाई। गांदरबल में वीडियो कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी, गांदरबल के उपायुक्त श्यामबीर, गांदरबल के एडीसी और अन्य वरिष्ठ जिला अधिकारियों ने व्यक्तिगत रूप से भाग लिया जबकि मुख्य सचिव, कश्मीर और जम्मू के संभागीय आयुक्त और सभी जिलों के उपायुक्तों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए भाग लिया। कल से शुरू हुई बर्फबारी ने घाटी के कई जिलों में सामान्य जनजीवन को बाधित कर दिया है। बैठक के दौरान, उपायुक्तों ने बर्फ हटाने, बिजली और पानी की आपूर्ति बहाल करने और खराब मौसम से निपटने के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया पर अपडेट प्रस्तुत किए। मुख्यमंत्री ने उपायुक्तों को बर्फ हटाने के काम की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करने का निर्देश दिया, साथ ही बर्फहटाने के लिए साफकिए गए क्षेत्रों के फोटोग्राफिक साक्ष्य प्राप्त करने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि तापमान गिरने पर सड़कों पर बर्फजमने से रोका जा सके। उन्होंने सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया, तथा अधिकारियों से जमीन पर पर्याप्त जनशक्ति और मशीनरी तैनात करने का आग्रह किया। जिला प्रशासन को निर्देश दिया गया कि वे मुख्यमंत्री कार्यालय और मुख्य सचिव कार्यालय को दो घंटे के अंतराल पर स्थिति से अवगत कराएं, ताकि सरकार को स्थिति से अवगत कराया जा सके। लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी के मुख्य अभियंता ने मुख्यमंत्री को बताया कि घाटी में 90 प्रतिशत जलापूर्ति बहाल कर दी गई है, तथा शेष 10 प्रतिशत को पूरा करने के प्रयास जारी हैं। जम्मू के संभागीय आयुक्त ने बताया कि जम्मू जिलों में बिजली और जलापूर्ति अप्रभावित है, जबकि मुख्य सचिव ने बिजली फीडरों को बहाल करने में निरंतर प्रगति की पुष्टि की तथा आश्वासन दिया

# किसान संगठनों से तत्काल वार्ता शुरू करें केन्द्र सरकार : सीपीआई (एम)

**नई दिल्ली, 28 दिसंबर।** किसान संगठनों की मांगों को लेकर शंभू बॉर्डर पर 26 नवंबर से अनिश्चतकालीन भूख हड़ताल पर बैठे वरिष्ठ नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की सेहत बिगड़ने लगी है। उनकी हालत बेहद नाजुक है। इसे लेकर शनिवार को सीपीआई (एम) ने मांग की है कि सरकार को किसानों के साथ तुरंत बातचीत शुरू करनी चाहिए। किसान आंदोलन की वैध मांग एमएसपी को कानूनी समर्थन और ऋण माफी के लिए है। पोलित ब्यूरो ने बयान जारी कर आरोप लगाया कि किसानों की इस हालत के लिए केन्द्र सरकार पूरी तरह जिम्मेदार है। देशभर के किसानों में व्यापक चिंता और अशांति है। केंद्र सरकार सभी किसान संगठनों और उनके संयुक्त मंचों के प्रतिनिधियों से तत्काल वार्ता शुरू करे ताकि उनकी लंबित मांगों का समाधान किया जा सके।इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को अस्पताल में भर्ती करने की अनुमति न देने के लिए किसानों को फटकार लगाई।

किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल 26 नवंबर से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। उनका स्वास्थ्य लगातार बिगड़ता जा रहा है।

# ग्रामीण विकास विभाग सचिव द्वारा मनरेगा, उन्नति, मिशन अमृत सरोवर, गोबरधन संयंत्रों की प्रगति की समीक्षा

**जम्मू 28 दिसंबर।** ग्रामीण विकास विभाग और पंचायती राज के सचिव मोहम्मद एजाज असद ने शनिवार को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत अभिसरण कार्यों की स्थिति, मिशन अमृत सरोवर के दूसरे चरण के लिए स्थलों की पहचान, उन्नति पहल के तहत प्रगति और स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण के हिस्से के रूप में गोबरधन संयंत्रों के कार्यान्वयन की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में डीजी ग्रामीण स्वच्छता अनु मल्होत्रा, निदेशक आरडीडी जम्मू मुमताज अली, निदेशक आरडीडी कश्मीर शब्बीर अहमद, निदेशक पंचायती राज, जम्मू-कश्मीर शाम लाल, निदेशक वित्त उमर खान, मुख्य परिचालन अधिकारी हिमायत रजनीश गुप्ता, अतिरिक्त सचिव आरडी एंड पीआर वसीम राजा, अधीक्षण अभियंता आरईडब्ल्यू कश्मीर, इंजीनियर आमिर अली, निदेशक सामाजिक लेखा परीक्षा शफिया नक्शबंदी, सहायक आयुक्त विकास, सहायक आयुक्त पंचायत और अन्य उपस्थित थे। सचिव ने एमजीएनआरईजीएस के तहत विकासात्मक प्रयासों के प्रभाव को बढ़ाने के लिए विभिन्न विभागों के साथ अभिसरण की महत्वपूर्ण आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने जोर दिया कि प्रभावी अभिसरण न केवल योजना के प्रभाव को बढ़ाएगा बल्कि संसाधनों का बेहतर उपयोग और ग्रामीण समुदायों को बेहतर सेवा वितरण भी सुनिश्चित करेगा। इसे प्राप्त करने के लिए, सचिव ने सभी जिलों को लाइन विभागों, विशेष रूप से कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में शामिल लोगों के साथ नियमित अभिसरण बैठकें आयोजित करने का निर्देश दिया।

# चटगांव बंदरगाह पर पाकिस्तानी विस्फोटकों का जखीरा, भारत में आतंक फैलाने की साजिश का खुलासा

**ढाका, 28 दिसंबर।** पाकिस्तान से आए बड़े पैमाने पर विस्फोटकों का जखीरा बांग्लादेश के चटगांव बंदरगाह पर उतरने की खबर ने भारत के लिए नई चिंता खड़ी कर दी है। ये विस्फोटक, जिन्हें सिस्मिक इमल्शन के नाम से जाना जाता है, बड़े निर्माण कार्यों को ध्वस्त करने और भारी जनहानि करने में सक्षम हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई इन विस्फोटकों को बांग्लादेश के आतंकवादी संगठनों तक पहुंचाने की योजना बना रही है, जिसका उपयोग भारत के पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों में अशांति फैलाने के लिए किया जा सकता है।

पाकिस्तानी जहाज से पहुंचा विस्फोटकअवामी लीग ने शनिवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इस मामले को उजागर किया। इसके मुताबिक 21 दिसंबर को कराची से आए पाकिस्तानी जहाज में ये विस्फोटक चटगांव बंदरगाह पर लाए गए। बंदरगाह के एक अधिकारी ने इन कंटेनरों की तस्वीरें जारी कीं, जिन पर लाल रंग में विस्फोटक लिखा हुआ था। हालांकि, बांग्लादेश की नौसेना ने इन कंटेनरों को कुछ घंटों के लिए रोका लेकिन बाद में इन्हें अज्ञात कारणों से छोड़ दिया गया।

यह पहली बार नहीं है जब बांग्लादेश में पाकिस्तानी हथियारों का जखीरा मिला है।

# उपायुक्त द्वारा पीडीडी कार्यों की प्रगति की समीक्षा

**जम्मू 28 दिसंबर।** उपायुक्त सचिन कुमार वैश्य ने आज जिला कैपेक्स बजट और अन्य योजनाओं के तहत बिजली विकास विभाग द्वारा निष्पादित किए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक के दौरान, जिला कैपेक्स बजट के तहत कार्यों सहित विभिन्न योजनाओं की स्थिति पर विस्तृत चर्चा की गई। पीएम सूर्य घर योजना, पीएम कुसुम योजना और केंद्र प्रायोजित पुनरोद्धार वितरण क्षेत्र योजना जैसी अन्य योजनाओं के तहत प्रगति की भी समीक्षा की गई।

वरिष्ठ अधिकारियों ने चल रही परियोजनाओं, चालू वित्तीय वर्ष के लक्ष्यों और कार्यान्वयन के दौरान आने वाली चुनौतियों पर अपडेट प्रस्तुत किए।

उपायुक्त ने सभी को बिजली आपूर्ति बुनियादी ढांचे में सुधार और कुशल सेवा वितरण सुनिश्चित करने

के लिए जिला कैपेक्स परियोजनाओं को समय पर पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया। उन्होंने बिजली वितरण घाटे को दूर करने, बिजली चोरी को रोकने और बिजली के मुद्दों से संबंधित सार्वजनिक शिकायत निवारण सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

उप-विभागीय मजिस्ट्रेटों को अवैध गतिविधियों, विशेष रूप से बिजली चोरी का जमीनी आकलन करने और बेहतर प्रवर्तन उपायों के लिए विभागीय पहलों को सुविधाजनक बनाने का निर्देश दिया गया।

जिले की विद्युत वितरण प्रणाली को सुचारू बनाने के लिए स्मार्ट मीटरों की स्थापना और केबल परियोजनाओं सहित प्रमुख पहलों के लिए प्रशासनिक समर्थन का आश्वासन दिया गया।

उपायुक्त ने अधिकारियों को ग्रामीण विकास विभाग और अन्य संबद्ध विभागों के साथ मिलकर पीएम सूर्य घर और पीएम कुसुम योजना को सक्रिय रूप से बढ़ावा देने के निर्देश भी दिए। उन्होंने लाभार्थियों के बीच इन योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि इनका प्रभाव अधिकतम हो सके।

# कपड़े पर लगे आयरन के दाग को हटाने के लिए अपनाएं ये टिप्स

जब भी हम जल्दबाजी में अपने कपड़े आयरन करते है तो कभी-कभी प्रेस इनती ज्यादा गरम हो जाती है कि हमारे कपड़े सड़ जाते है। ऐसे में हम प्रेस के दाग को हटाने की बहुत कोशिश करते है पर यह दाग धोने के बाद गहरे हो जाते हैं जो कि धुलाई से भी नहीं जाते।अगर यह दाग सफेद कपड़े पर लग जाए तो उन्हें छुड़वाना बहुत ही मुसकिल हो जाता है। आज हम आपको बताएगे कि कैसे आप इनसे कपड़ो के दाग निकाल सकती है।

### 1. सिरका

अगर आप के सफेद कपड़ों पर दाग लगा हो या पीला पड़ गया है तो उनहें हटाने के लिए कपड़े को धोने के बाद एक बाल्टी में गरम पानी सें और उसी में एक चम्मच सिरका मिलाकर उस कपड़े को फिर से धोएं। ऐसी करने से सफेद कपड़ों का पीलापन दूर हो जाता है।

### 2. नमक

नमक हर घर में पाया जाता है। आप इसका इसतेमाल कपड़ो के दाग और पीला पर दूर करने कि लिए अपना सकते है। इसके लिए आप गर्म पानी में नमक को मिला कर कपड़े को 10-20 सेकेंड के लिए भिगो दें। ऐसा करने से दाग बहुत ही जल्द गायब हो जाते है।

### 3. सर्फ

कपड़ो के दाग को हटाने के लिए ब्लीच का उपयोग न करें। इसकी जगह पर आप अच्छी क्वालिटी के सर्फ का इस्तमाल कर सकते है।

### 4. कपड़े को जमीन पर फैलाना

अगर आपके कपड़े पर आयरन से दाग लग गया है तो कपड़े को जमीन पर फैला कर सफेद सिरका और नमक को छिड़का कर रगड़ें। रगड़ने के बाद इसे 5 मिनट तक धोड़ दें और फिर पानी में डुबो कर दाग छुड़ा कर साफ कर लें।

### 5. नींबू और काला नमक

कपड़ो पर लगे दागों को आसानी से छुड़वाने के लिए नींबू और काला नमक डाल कर रगड़े।

### 6. बेकिंग सोडा

पानी की आधी बाल्टी में एक चम्मच बेकिंग सोडा मिला कर उसमें कपड़ों को 15 मिनट के लिए भिगो दें। बाद में कपड़ो को निकाल कर साबुन या सर्फ से साफ कर लें।

### 7. कपड़े ड्रायर से न सुखाएं

अगर कपड़े पर आयरन के दाग लगे है तो कभी भी ड्रायर से न सुखाएं। ड्रायर का साथ कपड़े सुखाने से लगे दाग और भी गहरे हो जाते है।

# डिशवॉशर से कभी न साफ करें ये चीजें, नहीं तो...

डिश सोप हर घर में पाया जाता हैं। इसका इस्तेमाल बर्तनों को धोने के लिए किया जाता है। पर कुछ लोग इसे बहुत सी ऐसी चीजों को धोने के लिए उपयोग करते हैं जो कि उन चीजों की चमक खत्म कर देता है। आज हम आपको कुछ ऐसी ही चीजों के बारे में बताएगें जिनहें डिशवॉशर से कभी नही साफ करना चाहिए। तो आइए जानते है उन चीजों के बारे में...

**1. कार को डिश सोप से ना धोएं**

अगर आपकी कार बहुत गंदी है और आप उसे धोना चाहते है तो आपको बता दें कि इसे कभी भी डिश सोप से न धोएं क्योंकि इससे आपकी कार का रंग धीरे-धीरे से फेड हो कर निकल जाएगा। ऐसे में आप कार को वाश करने के लिए शैंपू का उपयोग कर सकते है।

**2. डिश सोप से कपड़े न धोएं**

हम सब यह तो जानते है कि जब कपड़ों पर दांग लग

जाते है उनहें आसानी ले नही छुड़ाया जा सकता। ऐसे में इन दांगों को हटाने के लिए कठोर डिटर्जेंट की जरुरत होती है। कुछ लोग दागों को हटाने के लिए बर्तन धोने वाले डिश सोप का इस्तेमाल कर लेते है। पर यह कपड़ों को धोने के लिए काफी हल्का होता है। इसे आप सिर्फ गिलास, प्लास्टिक और मेटल की चीजें ही धो सकते है।

**3. डिश सोप से कभी हाथ ना धोएं**

कभी-कभी ज्यगबाजी में हम सभी बर्तन धोने वाले डिश सोप से ही हाथ धों लेते हैं। पर हमें इसे हाथ नही धोंने चाहिएं क्योंकि यह सोप हमारे हाथों की खूबसूरती को और हमारे हाथों की कोमल स्किन को खराब देते हैं।

**4. लेदर की चीजें**

आजकल देखा गया है कि हर किसी के घर में सोफे पर लेदर कवर चाड़े होते हैं क्योंकि इन पर दांग लगने पर आसानी से साफ किया जा सकता है। ऐसे में अगर सोफे पर कुछ गिर भी जाए तो उनहें कभी भी बर्तन धोने वाले डिश सोप से न धोएं। लेदर को इससे साफ करने से इसकी चमक खो जाती है।

**5. डिशवॉशर**

डिशवॉशर काफी हल्का होता है और इसकी झाग ज्यादा होती हैं। इससे कपड़ें अच्छें सो नही धूल पाते इसीलिए इसका उपयोग बर्तनो को साफ करने के लिए ही करें।

# वास्तु दोष को दूर करना चाहते है तो घर में रखें मछली का एक्वेरियम

कई बार घर में पैसे और अन्य किस्म की सारी सुविधाएं होने के बावजूद भी क्लेश खत्म नहीं होता। इसके पीछे की वजह वास्तुदोष हो सकता है हालांकि वास्तुशास्त्र पर कुछ लोग यकीन करते हैं तो कुछ नहीं। लेकिन क्या आपको पता है कि मछली का एक्वेरियम भी वास्तु दोष का कारण बन सकता है। आपके घर में जो भी मछली घर हो, उसमें नौ मछलियां रखनी चाहिए न कि आठ। एक्वेरियम को रखने की जगह भी उचित होनी चाहिए। मछलियों को बार-बार एक से दूसरी जगह पर नहीं रखना चाहिए और उन्हे सिर्फ एक ही व्यक्ति के द्वारा भोजन देना चाहिए। मछली के टैंक या जार को बिल्कुल साफ रखना चाहिए। फिल्टर्स, एरिएशन आदि बिल्कुल सही तरीके से चलने चाहिए। अगर आप अपने फिश एक्वेरियम को अच्छा और रंगीन रखना चाहते है तो उसमें कुछ प्रकार के आर्टिफिशियल प्लांट भी लगा सकते हैं। वास्तु दोष का कारण ये एक्वेरियम आसानी से बन सकते हैं। इसलिए अगर आपको ये दोष दूर करने हैं तो आपको निम्न बातों पर विशेष रखना चाहिए।

### 1. बुरी नजर से दूर रखें

कहते है कि घर में मछली को रखना शगुन होता है क्योकि मछलियां घर को बुरी नजर से दूर रखती हैं। ऐसा माना जाता है कि अगर आपके द्वारा पाली गई मछलियां प्राकृतिक मृत्यु मरती हैं तो आपके घर या ऑफिस की भी समस्याएं खतम हो जाती हैं।

### 2. सकारात्मक ऊर्जा का संचार

मछलियों का पालन करने से घर और कार्यालय में काफी ज्यादा सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। जब आप थके हुए होते हैं तो उस समय इन मछलियों को देखे। ऐसी करने से आपके दिमाग को आराम मिलता है और एक सुकून भरा वातावरण बन जाता है।

### 3. घर या ऑफिस में वास्तु दोष

अगर आपको लगता है कि आपके घर या ऑफिस में परेशानियां आ रही हैं तो इसका मतलब है कि वास्तु दोष है। अगर है तो इसे मिटाने के लिए उस जगह पर फिश एक्वेरियम रखें। इससे समस्याएं भी सुलझेंगी और पैसा भी खूब आएगा। मछलियों को दाना देने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

### 4. वातावरण खुशनुमा रहता है

मछलियां बहुत एक्टिव होती हैं, जो हमें प्रोत्साहित करती हैं और हमारे अंदर उमंग भर देती हैं। एक्वेरियम रखने से पूरे घर का वातावरण खुशनुमा रहता है। ऐसे बुरी ऊर्जा का संचार नहीं होता है और रंगीन मछलियां आकर्षित करती हैं।

### 5. मछलियों को घर में रखने से ऊर्जा आती है

वास्तु शास्त्र के अनुसार, एक फिश टैंक में ढेर सारा पानी भरा जाता है जो भार को सही तरीके से बैलेंस करता है। भार को बैलेंस करन के लिए फिश टैंक को हॉल या वरांडा साउथ वेस्ट कोने में रख जाना चाहिए। जिससे घर में आने वाले हर इंसान की नजर उस पर पडे। चीनी फेंग शुई के मुताबिक, मछलियों को घर में रखने से ची नामक ऊर्जा आती है जो धन और स्वास्थ्य को बढाती है।

# रूम को यूनिक लुक देना चाहते है तो करें इन वॉलपेपर की सलेक्शन

हर कोई चाहता है कि उनका घर सुंदर दिखे। ऐसे में आजकल हर कोई अपने घर के इंटीरियर सजावट की और बहुत ज्यादा ध्यान दें रहे हैं। अगर आप भी स्वीड होम को मेकओवर करना चाहती हैं, तो दीवारों का कलर बदलने के साथ ही कुछ अलग वॉल डेकोर के लिए वॉलपेपर्स का यूज करें। इससे आप अपने आशियाने को यूनिक लुक देकर खूबसूरत बना सकती हैं। वैसे तो मार्केट में बहुत से वॉलपेपर्स उपलब्ध होते हैं, लेकिन आप अपने कमरे की स्पेप और अपनी पसंद, दोनों को देखते हुए इनका चुनाव करें। ऐसा करके आप घर को कन्टेम्प्रेरी, डिजाइनर लुक देने के साथ-साथ अपने मॉनी भी बचा सकती हैं। आइए जानतो है कैसे...

1. विनाइल या फैब्रिक वॉलपेपर्स

आप अपने बेडरूम या लिविंग रूम को यूनिक लुक देने के लिए ट्रेडिशनल वॉलपेपर विनाइल या फैब्रिक वॉलपेपर्स में से कोई भी कलर, डिजाइन, पसंदीदा चित्रों वाले वॉलपेपर्स को ट्राई कर सकती हैं। इन जगहों पर वॉलपेपर सलेक्ट करते हुए सिर्फ आपकी पसंद ही जरूरी है।

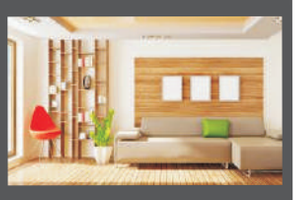

2. टेक्सचर्ड वॉलपेपर

टेक्सचर्ड वॉलपेपर से मिलता है नैचुरल लुक भी इन दिनों खूब पसंद किए जा रहे हैं, क्योंकि ये नैचुरल दिखते हैं। इनमें वुड, ब्रीक जैसे कई प्राकृतिक टेक्सचर उपलब्ध हैं। ओरिजनल लुक वजह से इनकी मांग बहुत तेजी से बढ रही है।

3. मेटैलिक वॉपेसर्स

आज की जेनरेशन को ध्यान में रखकर इस तरह के वॉलपपर्स लॉन्च किए गए है। इनका मेटैलिक कलर व इफे क्ट लोगो द्वारा बहुत पसंद किया जा रहा है।

4. बेस्ट क्लालिटी वाले वॉशेबल वॉपेसर्स

इस बात का ध्यान रखें कि आप जिस भी तरह का वॉलपेपर पसंद कर रहें है वह वॉशेबल है या नही। वॉशेबल वॉलपेपर्स लम्बे समय तक सुंदर दिखते हैं, क्योंकि उन्हें किसी भी माइल्ड साबुन पानी व गीले कपडे से साफ कर नया जैसा बनाया जा सकता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

# इंद्रजीत केसर के डोगरी उपन्यास 'दोहरी' का विमोचन किया

**जम्मू , 28 दिसंबर (हि.स.)।** डोगरी संस्था जम्मू ने राइटर्स क्लब, के.एल. सैहगल हॉल जम्मू में आयोजित समारोह में इंद्रजीत केसर के डोगरी उपन्यास 'दोहरी' का विमोचन किया। इस अवसर पर जम्मू विश्वविद्यालय के भूतपूर्व उपकुलपति प्रोफेसर आर. डी. शर्मा मुख्य अतिथि, सेवानिवृत्त मेजर जनरल एस.के. शर्मा विशिष्ट अतिथि थे, जबकि डोगरी संस्था जम्मू के प्रधान प्रो. ललित मगोत्रा ने समारोह की अध्यक्षता की।

मुख्य अतिथि प्रो. आर डी शर्मा ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि डोगरी संस्था 1944 में अपने गठन के बाद से ही मातृभाषा डोगरी और क्षेत्रीय सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने में सराहनीय प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि इस नेक काम में योगदान देना सभी व्यक्तियों का कर्तव्य है, क्योंकि डोगरी दुनिया भर में कई अन्य मातृभाषाओं की तरह खतरे का सामना कर रही है। हमें यह समझना होगा कि हमारी मातृभाषा और सांस्कृतिक परंपराएं वास्तव में हमारा अस्तित्व हैं और हमें इन्हें हर कीमत पर संरक्षित करना होगा। उन्होंने वरिष्ठ डोगरी लेखक इंद्रजीत केसर को भाषा और साहित्य को समृद्ध करने के लिए बधाई दी और उपन्यास के रूप में उनकी एक और रचनात्मक साहित्यिक कृति का स्वागत किया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त मेजर जनरल एस.के. शर्मा ने कहा कि डोगरी एक मधुर भाषा है और हमें इसे संरक्षित और बढ़ावा देने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करना चाहिए। इसे इंद्रजीत केसर जैसे कर्मठ साहित्यकारों की जरूरत है जो एक ऐसे उद्देश्य के लिए काम करने में विश्वास करते हैं, जो वास्तव में हम सभी का सांझा उद्देश्य है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि अन्य लोग भी उनका अनुसरण करेंगे और गुणवत्तापूर्ण साहित्य के साथ मातृभाषा को समृद्ध करेंगे प्रो. ललित मगोत्रा ने लेखक इंद्रजीत केसर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह अधिक से अधिक योगदान देने के मिशन के साथ काम करने वाले लेखक रहे हैं जो दूसरों के लिए भी प्रेरणा है। हालांकि, वर्तमान में उपन्यास लिखने में अधिक रुचि रखते हैं, लेकिन उन्होंने सुंदर कविताओं, यात्रा वृत्तांत, निबंध, बाल साहित्य से भी मातृभाषा में साहित्य समृद्ध किया है।

# स्थानीय लोगों के लिए चिकित्सा शिविर का आयोजन

**जम्मू , 28 दिसंबर (हि.स.)।** राजौरी जिले के राजनगर में एक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जिसमें वंचित समुदायों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की गईं। भारतीय सेना द्वारा आयोजित शिविर में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए जिसमें राजनगर और उसके आस-पास के इलाकों के कई ग्रामीणों ने चिकित्सा परामर्श, निःशुल्क दवाइयाँ और निवारक स्वास्थ्य प्रथाओं पर मार्गदर्शन प्राप्त किया। सेना के चिकित्सा कर्मियों ने सुनिश्चित किया कि ग्रामीणों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा और उनके स्वास्थ्य के प्रबंधन के लिए आवश्यक जानकारी मिले।

लाभार्थियों ने दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच में सुधार करने में सेना की सक्रिय भूमिका के लिए अपना हार्दिक आभार व्यक्त किया। यह पहल सामुदायिक कल्याण के लिए भारतीय सेना के समर्पण और स्थानीय निवासियों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के उसके निरंतर प्रयासों को रेखांकित करती है। इस तरह के आउटरीच कार्यक्रम सेना और उसके द्वारा सेवा प्रदान किए जाने वाले समुदायों के बीच के बंधन को और मजबूत करते हैं जिससे आपसी विश्वास और सहयोग को बढ़ावा मिलता है।

# बेरोजगार युवाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

**जम्मू , 28 दिसंबर (हि.स.)।** श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) स्किल हब सेंटर ने अपने विश्वविद्यालय सामाजिक उत्तरदायित्व (यूएसआर) पहल के हिस्से के रूप में बेरोजगार युवाओं के लिए बुनियादी सॉफ्ट स्किल्स पर दो महीने का प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया। रोजगार क्षमता बढ़ाने और व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया यह कार्यक्रम 10वीं पास की न्यूनतम योग्यता वाले युवाओं के लिए खुला है। प्रतिभागियों को कार्यक्रम के पूरा होने का प्रमाण पत्र और नौकरी प्लेसमेंट सहायता प्राप्त होगी। उद्घाटन समारोह में अजय कमार शर्मा, रजिस्ट्रार; प्रोफेसर बलबीर सिंह, अकादमिक मामलों के डीन; और डॉ. यथेष्ट आनंद, एचओडी, स्कूल ऑफ मैकेनिकल इंजीनियरिंग उपस्थित थे। उन्होंने कौशल विकास को आगे बढ़ाने और स्थानीय समुदाय के उत्थान में पहल की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। एसएमवीडीयू के कुलपति प्रो. प्रगति कुमार ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि यह युवा सशक्तिकरण और सामाजिक प्रगति के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। एसएमवीडीयू स्किल हब सेंटर के एसोसिएट प्रोफेसर और समन्वयक डॉ. संजय शर्मा द्वारा समन्वित इस कार्यक्रम का उद्देश्य बेरोजगार युवाओं के बीच कौशल अंतर को दूर करना और उनके समग्र विकास में योगदान देना है। डॉ. शर्मा ने शिक्षा और कौशल निर्माण पहलों के माध्यम से सामुदायिक सेवा के लिए विश्वविद्यालय के समर्पण पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का समापन केंद्रीय कार्यशाला के अधीक्षक इंजीनियर दीपक ब्योत्रा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ जिन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग के लिए गणमान्य व्यक्तियों, प्रतिभागियों और विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

# सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में प्रेरक व्याख्यान का आयोजन

**जम्मू , 28 दिसंबर (हि.स.)।** युवाओं और स्थानीय समुदाय को प्रेरित करने और सशक्त बनाने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत भारतीय सेना द्वारा राजौरी के सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परात में सूबेदार (मानद कैप्टन) बंसी लाल, एसएम द्वारा प्रेरक व्याख्यान आयोजित किया। सूबेदार (मानद कैप्टन) बंसी लाल, एसएम ने युद्धों और सैन्य अभियानों के दौरान वीरता, बलिदान और लचीलेपन के अपने उल्लेखनीय अनुभव साझा किए। भारतीय सेना के समर्पण और साहस के बारे में उनके विशद वर्णन ने दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया। उन्होंने समुदाय से एकता और देशभक्ति पर जोर देते हुए हर घर में राष्ट्रीय ध्वज फहराने का भी आग्रह किया।

इस कार्यक्रम में 67 छात्रों और 4 शिक्षकों की उपस्थिति देखी गई। उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना की और कहा कि युद्ध नायकों द्वारा दिए गए ऐसे व्याख्यानों का जिम्मेदार नागरिकों को आकार देने और युवा पीढ़ी को सशस्त्र बलों में करियर बनाने के लिए प्रेरित करने पर गहरा प्रभाव पड़ता है। इस कार्यक्रम ने एकता के महत्व और भारत के सुरक्षा बलों का समर्थन करने की सामूहिक जिम्मेदारी को मजबूत किया।

# हाइड्रोजन पर सप्ताह भर चले वर्चुअल फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का समापन

**जम्मू , 28 दिसंबर (हि.स.)।** श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) ने अटल एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित भारत में ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन और अवसर पर एक सप्ताह तक चलने वाले वर्चुअल फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में भारत भर के 21 राज्यों से 215 पेशेवरों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई के पूर्व कुलपति प्रो. आर. वेलराज ने भाग लिया जिन्होंने भविष्य के ईंधन और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के एक मजबूत प्रतियोगी के रूप में सौर हाइड्रोजन की क्षमता पर जोर दिया। रॉबर्ट गॉर्डन विश्वविद्यालय, यू.के. के प्रो. ममदूद हुसैन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और उन्होंने सतत विकास लक्ष्यों विशेष रूप से जलवायु कार्रवाई और स्वच्छ ऊर्जा को प्राप्त करने में ग्रीन हाइड्रोजन की वैश्विक बाजार क्षमता पर प्रकाश डाला। प्रो. हुसैन ने इस क्षेत्र में सहयोगी अनुसंधान में भी रुचि व्यक्त की।

छात्र कल्याण के डीन प्रोफेसर आर.के. मिश्रा और अकादमिक मामलों के डीन प्रोफेसर बलबीर सिंह ने कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए आयोजक टीम को बधाई दी। प्रोफेसर (डॉ.) ईश्वरमूर्ति मुथुसामी द्वारा समन्वित और डॉ. राजीव कुमार द्वारा सह-समन्वयित एफडीपी में 11 भारतीय वक्ताओं और एक अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ के नेतृत्व में 13 तकनीकी सत्र आयोजित किए गए।

# युवा राजपूत सभा ने शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी की निंदा की

**जम्मू , 28 दिसंबर (हि.स.)।** युवा राजपूत सभा (वाईआरएस) ने कटरा के निवासियों के समर्थन में आवाज़ उठाते हुए प्रशासन द्वारा शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों की गिरफ़्तारी की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा है कि ये प्रदर्शनकारी कटरा से माता वैष्णो देवी भवन तक प्रस्तावित रोपवे परियोजना के विरोध में अपनी वास्तविक माँगों के लिए आवाज़ उठा रहे थे।

# कर्मचारियों और नियोक्ताओं को सशक्त बनाने के लिए निधि आपके निकट 2.0 का आयोजन

**जम्मू , 28 दिसंबर (हि.स.)।** सहायक पीएफ आयुक्त सत्य प्रकाश ने जिला विकास आयुक्त कार्यालय के सम्मेलन हॉल में निधि आपके निकट 2.0 के तहत जागरूकता और आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य नियोक्ताओं और कर्मचारियों को कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ ) द्वारा चलाई जा रही विभिन्न पहलों और सेवाओं के बारे में जागरूक करना था। कार्यक्रम में सहायक श्रम आयुक्त प्रद्योत गुप्ता, लघु उद्योग संघ के अध्यक्ष मोहम्मद शफी, निजी स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष ए.बी. रौफ डार, और व्यापार मंडल के अध्यक्ष राजेश गुप्ता सहित कई प्रतिष्ठित लोग शामिल हुए। इस मौके पर ई-नामांकन, यूएएन एक्टिवेशन, केवाईसी अपडेट, आधार-बैंक सीडिंग, और ऑनलाइन ईसीआर फाइलिंग जैसे विषयों पर जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान हैंडहोल्डिंग सत्र और इंटरैक्टिव चर्चा आयोजित की गई, जिसमें कर्मचारियों और नियोक्ताओं की समस्याओं को सुना गया और समाधान सुझाए गए।वहीं कर्मचारियों को कर्मचारी पेंशन योजना, 1995 और कर्मचारी जमा लिंक्ड बीमा योजना, 1976 की मुख्य विशेषताओं के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम ने नवंबर 2019 के बाद से केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में लागू सामाजिक सुरक्षा सेवाओं और लाभों को रेखांकित किया।

# तीन दिवसीय वाटर स्कीइंग चैंपियनशिप का हुआ समापन

**कठुआ 28 दिसंबर (हि.स.)।** बीते 26 दिसंबर से शुरू हुई तीन दिवसीय वाटर स्कीइंग चैंपियनशिप का शनिवार को समापन हो गया। इसका आयोजन जम्मू-कश्मीर वाटर स्कीइंग संगठन जम्मू द्वारा किया गया था और समापन समारोह में एडीसी बसोहली अनिल कुमार ठाकुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे जबकि सीईओ बीबीडीए अजीत सिंह और एसडीपीओ सुरेश शर्मा विशेष अतिथि थे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि और विशेष अतिथियों ने तीन दिवसीय वाटर स्कीइंग प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय और अन्य प्रतिभागियों को मेडल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। जेके वाटर स्कीइंग संगठन की अध्यक्ष रजनी कुमारी ने मुख्य अतिथि और विशेष अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए।

# नेकां ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी

**जम्मू , 28 दिसंबर (हि.स.)।** जम्मू और कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस (जेकेएनसी) ने शनिवार को शेर-ए-कश्मीर जम्मू में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया जिनमें उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी, अतिरिक्त महासचिव अजय सढोत्रा, जम्मू प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष रतन लाल गुप्ता, प्रांतीय सचिव शेख बशीर अहमद, पूर्व मंत्री और सेंट्रल जोन के अध्यक्ष बाबू रामपॉल, वरिष्ठ एनसी नेता और कई पार्टी कार्यकर्ता शामिल थे।

उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने डॉ. मनमोहन सिंह को महान दूरदर्शिता और बुद्धिमत्ता वाला नेता बताया। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह ने भारत की अर्थव्यवस्था को बदलने और समाज के सभी वर्गों के लिए प्रगति सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। चौधरी ने कहा डॉ. सिंह का शांत नेतृत्व और विकास पर ध्यान सभी के लिए सबक है। वह एक सच्चे राजनेता थे। वहीं अतिरिक्त महासचिव अजय सढोत्रा ने भारत को एक प्रतिष्ठित वैश्विक शक्ति बनाने में पूर्व प्रधानमंत्री की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह के आर्थिक सुधारों ने लाखों लोगों को विकास और अवसर प्रदान किए। शांति और विकास के प्रति डॉ. सिंह का समर्पण हम सभी के लिए एक मार्गदर्शक प्रकाश है।

प्रांतीय अध्यक्ष रतन लाल गुप्ता ने कठिन समय में डॉ. सिंह के नेतृत्व की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह की दूरदर्शिता और ईमानदारी ने आधुनिक भारत को आकार देने और देश को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में मदद की। गुप्ता ने पार्टी कार्यकर्ताओं को उनके उदाहरण का अनुसरण करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा डॉ. सिंह का जीवन हमें कड़ी मेहनत और विनम्रता का महत्व सिखाता है। प्रांतीय सचिव शेख बशीर अहमद समेत अन्य नेकां नेताओं ने भी इस मौके पर अपने विचार साझा किये।

# भाजपा ने शासन में विफल रहने के लिए एनसी सरकार की आलोचना की

**जम्मू, 28 दिसंबर (हि.स.)।** जम्मू-कश्मीर भाजपा के प्रवक्ता अरुण गुप्ता ने जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के नेतृत्व वाली सरकार की कड़ी आलोचना की है और उस पर राजनीतिक बयानबाजी के पक्ष में सुशासन की उपेक्षा करने का आरोप लगाया है। त्रिकुटा नगर में भाजपा मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए गुप्ता ने मुख्य प्रवक्ता एडवोकेट सुनील सेठी और प्रवक्ता वाईवी शर्मा के साथ दो महीने पहले सत्ता में आई एनसी सरकार की कथित विफलताओं पर प्रकाश डाला। सुनील सेठी ने जोर देकर कहा कि हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के दौरान एनसी ने मुख्य रूप से कश्मीर से अपना जनादेश हासिल किया और अपने चुनाव घोषणापत्र में बड़े-बड़े वादे किए। हालांकि सरकार बनाने के बाद से एनसी मुख्य सार्वजनिक मुद्दों को संबोधित करने में विफल रही है। इसके बजाय राजनीतिक दिखावे पर ध्यान केंद्रित कर रही है। अरुण गुप्ता ने एनसी सरकार पर परिणामोन्मुखी शासन देने की बजाय अधिकारियों को आतंकित करने को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रशासन को स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने और प्रगति की प्रभावी निगरानी करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। गुप्ता ने जोर देकर कहा मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर को तबाही से उबारा है और हम एनसी को प्रगति को पटरी से उतारने नहीं देंगे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार शून्य जवाबदेही के साथ काम करती है जो 2014 से पहले की शासन शैली की याद दिलाती है। गुप्ता ने कहा मुख्यमंत्री को यह समझना चाहिए कि शासन का मतलब परिणाम देना है न कि केवल राजनीतिक बयानबाजी।

# सरकारी अधिकारियों को आतंकित न करें : अरुण गुप्ता

**जम्मू, 28 दिसंबर (हि.सं.)।** जम्मू-कश्मीर भाजपा के प्रवक्ता अरुण गुप्ता ने कहा कि सरकार को सरकारी अधिकारियों को आतंकित करने के बजाय कुशल परिणामोन्मुख शासन पर ध्यान देना चाहिए। प्रवक्ता सुनील सेठी ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि हाल के विधानसभा चुनावों में नेकां को मुख्य रूप से कश्मीर से जनादेश मिला जिससे वह जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने में सक्षम हुई। एनसी ने अपने विधानसभा चुनाव घोषणापत्र में जम्मू-कश्मीर के लोगों को चांद देने का वादा किया था। अब जम्मू-कश्मीर में सरकार बने 2 महीने से ज्यादा का समय बीत चुका है लेकिन 2 महीने बाद भी वास्तविक शासन व्यवस्था की याद आ रही है। इन 2 महीनों में नेकां हर मोर्चे पर विफल रही है उसने लोगों की आकांक्षाओं की परवाह नहीं की, उसने लोगों के मूल मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया बल्कि केवल राजनीतिक बयानों पर ध्यान केंद्रित किया है।

**GOVERNMENT OF JAMMU AND KASHMIR**
**OFFICE OF THE DISTRICT APPROPRIATE AUTHORITY PC & PNDT ACT**
**CHIEF MEDICAL OFFICER HEALTH & FAMILY WELFARE JAMMU**
(Near MLA Hostel, Indira Chowk, Jammu-180001)
E.Mail: cmojammu@gmail.com daapcpndtjmu@gmail.com

## NOTICE

All registered Ultrasound Clinics/ Centres/ Imaging Centres/ Genetic Clinics of Jammu District are directed to follow the below mentioned instructions and implement the norms in letter and spirit;

1. Regularly file Form "F" online without any fail as per prescribed guidelines. The Proprietors shall ensure the regularity in filling Form "F" online which is mandatory under PC&PNDT Act. Any violation shall invite action as warranted under rules.
2. The Proprietors shall submit the form for renewal of registration along with requisite documents 30 days before the expiry of previous registration.
3. The Ultrasound Centres/Clinics/ Imaging Centres/ Genetic Clinics shall ensure that public information in the languages Hindi, Urdu & English is displayed on board with size 3 Ft.* 2 Ft. with white background and red paint with text "SEX SELECTION/DETERMINATION IS NOT DONE HERE, DISCLOSURE OF SEX OF THE FOETUS IS PROHIBITED UNDER LAW". Public information should be displayed on the four walls of waiting area/foot end of patient table, prominent areas of the Clinic/Centre/Imaging Centre/Genetic Clinic.

**Sd/-**
**District Appropriate Authority**
**PC PNDT Act, CMO Jammu**

**DIP/J-8682/24**
**Dtd:28-12-2024**

# आईआईएम और यस बैंक ने नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए साझेदारी की

**जम्मू , 28 दिसंबर (हि.स.)।** भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) जम्मू ने निदेशक प्रोफेसर बी.एस. सहाय के नेतृत्व में यस बैंक के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करके एक रणनीतिक साझेदारी की है। इस सहयोग का उद्देश्य नवाचार और उद्यमिता के लिए एक जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना है जिसमें कृषि व्यवसाय, आईटी/आईटीईएस, स्थिरता और शहरी प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों पर जोर दिया जाएगा। दोनों संगठनों के प्रमुख प्रतिनिधियों की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए यह समझौता आईआईएम जम्मू में इनक्यूबेट किए गए स्टार्टअप के लिए उद्यमशीलता गतिविधियों, ज्ञान के आदान-प्रदान और क्यूरेटेड बैंकिंग समाधानों को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। साझेदारी संभावित उपयोग के मामलों और नवीन विचारों और प्रौद्योगिकियों के लिए बाजार संबंधों को मान्य करने में सहायता करके पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़ने और पहुंच पर जोर देती है।

# एमआरएम ने जम्मू में कार्यकर्ताओं की बैठक बुलाई, जनता के मुद्दों को उठाने का संकल्प जताया

आमिर इकबाल खान

**जम्मू, 28 दिसंबर।** आज यहां जम्मू-कश्मीर और लद्दाख यूटी के संयोजक गुलशन कुमार द्वारा मुस्लिम राष्ट्रीय मंच जम्मू-कश्मीर के कार्यकर्ताओं की बैठक बुलाई गई।

इस बैठक में संयोजक जम्मू-कश्मीर और लद्दाख यूटी के मीर नजीर, कानूनी सलाहकार जम्मू-कश्मीर और लद्दाख यूटी एडवोकेट मलिकजादा मोहम्मद शहजाद भी शामिल हुए।बैठक का उद्देश्य संगठनात्मक मुद्दों पर चर्चा करना था। इस अवसर पर एक ज्वाइनिंग कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

अपने विचार व्यक्त करते हुए एडवोकेट मलिक ने कहा कि एमआरएम एक ऐसा संगठन है जिसके पास देश में सामाजिक और आर्थिक बदलाव लाने की दूरदृष्टि और क्षमता है। उन्होंने दावा किया, इस संगठन का एजेंडा समाज के सभी वर्गों को एक साथ लेकर चलना है जो सभी क्षेत्रों, धर्मों और जातियों के समान विकास को पूरा करने की दिशा में एक कदम है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेशों के जिला अध्यक्षों को संबोधित करते हुए मलिक ने लोगों की प्रभावी सेवा के लिए अपने-अपने जिला निकायों को और मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने उनसे आपसी भाईचारे के मूल्यों को कायम रखते हुए सरकार के ध्यान में जनता की शिकायतों को सक्रिय रूप से लाने का आग्रह किया- जो एमआरएम घोषणापत्र का एक मूल सिद्धांत है। एकता और सामाजिक सद्भाव की वकालत करते हुए उन्होंने सभी सदस्यों से समाज की भलाई के लिए भाईचारे को बढ़ावा देने में अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने का आह्वान किया। इस अवसर पर, गणमान्य व्यक्तियों के समक्ष कई शिकायतें प्रस्तुत की गईं, जिसमें समुदाय द्वारा सामना किए जाने वाले दबावपूर्ण मुद्दों पर प्रकाश डाला गया। आयोजक गुलशन कुमार और संयोजक मीर नजीर ने उपस्थित लोगों को उचित मंचों पर इन चिंताओं को दूर करने की अपनी प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया।

**Office of the District Soil Conservation Officer**
**Soil & Water Conservation Department, Jammu**
**Corrigendum**

Name of the work : NIT No 08 0f 2024-25 Dated 19.12.2024
(Work ID : 2024_SWCD_268465_5)
1.. Upgradation / Restoration of old existing Pond at Patri Da Talab (Patri) PanchayatKaa Potta Tehsil Nagrota constituency Nagrota District Jammu

| Item | Advertised Date | Revised Date |
|---|---|---|
| Published date | 19-12-2024 | 19-12-2024 |
| Download Start Date | 19-12-2024 from 5.00 P.M | 19-12-2024 from 5.00 P.M |
| Bid submission Start Date | 19-12-2024 from 6.00 P.M | 19-12-2024 from 6.00 P.M |
| Bid Submission End Date | 26-12-2024 upto 4.00 P.M | 31-12-2024 upto 4.00 P.M |
| Date of Opening of Fin. Bid (On-line) | 27-12-2024 at 12.00 Noon (in Office of The Joint Director, Soil & Water Conservation Department, Jammu Region) | 01-01-2025 at 12.00 Noon (in Office of The Joint Director, Soil & Water Conservation Department, Jammu Region) |

Due to poor response, the date schedule of above subjected works are re-scheduled as under
All other terms and conditions shall remain unchanged'
No. DSCOJ/F -Tender/ C APEX/ 626-29 Date: 27.12.2024

**Sd/-**
**District Soil Conservation Officer**
**Soil & Water Conservation Department, Jammu**

**DIP/J-8692/24**
**Dtd: 28-12-2024**

# संपादकीय

## रासायनिक रूप से पकाए गए फलों और सब्जियों का खतरा

यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि पोषण संबंधी पूर्ति सुनिश्चित करने और विटामिन की कमी को दूर करने के लिए फल और सब्जियाँ खरीदने वाले लोग अक्सर उन्हें खाने के बाद कई तरह की बीमारियों का सामना करते हैं। ऐसा मुख्य रूप से इसलिए होता है क्योंकि इन आवश्यक वस्तुओं की गुणवत्ता के मामले में सब कुछ ठीक नहीं है। प्रिंट, सोशल और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में कई रिपोर्ट बताती हैं कि फलों और सब्जियों को पकाने और उनकी सुंदरता बढ़ाने के लिए हानिकारक रसायनों का इस्तेमाल जैसे अनैतिक तरीके बहुत आम हैं।

जबकि बाजार केले और अन्य मौसमी फलों से भरे पड़े हैं, भंडारण और बिक्री तकनीकों से परिचित विशेषज्ञ अक्सर बताते हैं कि कैल्शियम कार्बाइड, एक खतरनाक रसायन है, जिसका कृत्रिम रूप से पकाने के लिए व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। यह प्रथा सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छता के लिए एक बड़ा खतरा है।

यद्यपि केंद्र शासित प्रदेश में भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) की कई इकाइयाँ हैं - स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक वैधानिक निकाय, जिसका काम खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए खाद्य पदार्थों के निर्माण, भंडारण, वितरण, बिक्री और आयात को विनियमित करना है - फिर भी फलों को कृत्रिम रूप से पकाने और चमकाने जैसी कुप्रथाएँ अनियंत्रित रूप से जारी हैं, जो उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य को खतरे में डालती हैं।

इस क्षेत्र में अपनी आजीविका कमाने वाले कई अपंजीकृत या प्रवासी श्रमिकों सहित फल और सब्जियाँ बेचने वाले विक्रेताओं की बड़ी संख्या के कारण नागरिक निकायों के लिए प्रत्येक विक्रेता की प्रभावी रूप से निगरानी करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। यह स्थिति विश्वसनीय विक्रेताओं से उपज खरीदने और जोखिम को कम करने के लिए फलों और सब्जियों को अच्छी तरह से धोने की आवश्यकता को रेखांकित करती है, क्योंकि कीटनाशक संदूषण भी एक बढ़ती हुई चिंता है।

FSSAI ने बार-बार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के खाद्य सुरक्षा विभागों को सतर्क रहने और स्नस्स् अधिनियम, 2006 और इसके साथ जुड़े नियमों और विनियमों के प्रावधानों के अनुरूप ऐसी अवैध प्रथाओं में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। हालांकि, स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए व्यक्तिगत सावधानियाँ महत्वपूर्ण हैं। इसलिए लोगों को फल और सब्ज़ियाँ खरीदते समय सतर्क रहना चाहिए और गुणवत्ता से समझौता करने से मना करना चाहिए। स्वस्थ रहना प्राथमिकता होनी चाहिए और इस मुद्दे पर लापरवाही न तो उचित है और न ही स्वीकार्य।

# शाहबानो के आंसू कांग्रेस को रुलाते रहेंगे

**झशाहबानो केस भारतीय इतिहास में महत्वपूर्ण घटना बनी हुई है, जो आज भी प्रासंगिक है। यह मामला बताता है कि कैसे धार्मिक और राजनीतिक मुद्दे सामाजिक न्याय और समानता को प्रभावित कर सकते हैं। शाहबानो केस में मुस्लिम संगठनों का असली चेहरा सामने आ गया। वे तलाकशुदा मुस्लिम महिला को अपने पूर्व पति से गुजारा भत्ता पाने का हकदार नहीं मानते थे। उनका तर्क था कि यह फैसला मुस्लिम पर्सनल लॉ में हस्तक्षेप करता है। इसके बाद ही, राजीव गांधी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट दिया था।**

**डॉ. आर.के. सिन्हा**

इंदौर की बेबस तलाकशुदा शाहबानो 1980 के दशक में भारत में मुस्लिम औरतों की बेबसी के प्रतीक के रूप में सामने आई थीं। उसके बाद के कालखंड में जब भी ऐसा लगने लगता है कि देश उन्हें भूलने लगा है, फिर से किसी न किसी रूप में शाहबानो प्रकरण की चर्चा शुरू हो जाती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में संसद में संविधान के 75 साल पूरा होने पर हुई चर्चा के दौरान शाहबानो प्रकरण का जिक्र करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट से शाहबानो को हक़ मिला था, राजीव गांधी ने सुप्रीम कोर्ट की उस भावना को नकार दिया। वोटबैंक की राजनीति की ख़ातिर संविधान की भावना की बलि चढ़ा दी। यह सच है कि इंसाफ के लिए तड़प रही एक महिला की बजाय राजीव गांधी ने इस्लामिक कट्टरपंथियों का खुलकर साथ दिया था। संसद में अपनी बहुमत के बल पर आनन-फानन में कानून बनाकर सुप्रीम कोर्ट के फ़ैसले को एक बार फिर पलट दिया गया था।

दरअसल, शाहबानो केस भारत की राजनीतिक और कानूनी प्रणाली में महत्वपूर्ण मोड़ था। यह मामला 1985 में सामने आया था और इसने देश में एक बड़ी बहस छेड़ दी थी। शाहबानो इंदौर की मुस्लिम महिला थीं, जिन्हें उनके पति ने तलाक दे दिया था। उन्होंने गुजारा भत्ता (भरण-पोषण) की मांग करते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया। निचली अदालतों ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया। लेकिन उनके पति ने इस फैसले को मानने की बजाय सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे डाली। सुप्रीम कोर्ट ने शाहबानो के पक्ष में फैसला सुनाया। अदालत ने कहा कि दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 125 के तहत तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को भी गुजारा भत्ता पाने का अधिकार है। अदालत ने यह भी कहा कि यह कानून सभी धर्मों के लोगों पर लागू होता है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने देश में राजनीतिक भूचाल-सा ला दिया। मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों ने इस फैसले का विरोध किया और इसे अपने धार्मिक कानूनों में हस्तक्षेप माना। उन्होंने सरकार पर मुस्लिम पर्सनल लॉ में बदलाव का आरोप लगाया। वे किसी भी रूप में शाहबानो के हक में खड़े होने को तैयार नहीं थे। शाहबानो एक बुजुर्ग महिला थीं, उनका साथ देने के लिए कोई भी मुस्लिम संगठन खड़ा नहीं हुआ। सबने उसे अपने हाल पर मरने के लिए छोड़ दिया था।

तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की सरकार ने इस मामले में अत्यंत ही विवादास्पद कदम उठाया। उन्होंने मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 1986 पारित किया। इस अधिनियम ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट दिया और तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को गुजारा भत्ता देने की जिम्मेदारी उसके पति के बजाय उनके परिवार या वक्फ बोर्ड पर डाल दी। वक्फ बोर्ड ने किसकी किसकी कब मदद की, यह बात न राजीव गांधी को पता थी और न उनके करीबियों को। राजीव गांधी सरकार के फैसले की व्यापक आलोचना हुई। कई लोगों ने इसे अल्पसंख्यक तुष्टीकरण और लैंगिक न्याय के खिलाफ माना। जो सच भी था। इस मामले ने भारतीय राजनीति में धार्मिक और लैंगिक मुद्दों को केंद्र में ला दिया।शाहबानो केस ने धार्मिक आधार पर भारतीय समाज को ध्रुवीकृत कर दिया। इसने भारत में महिला अधिकारों और लैंगिक न्याय पर नई बहस छेड़ दी। शाहबानो केस ने राजनीतिक दलों की भूमिका और अल्पसंख्यकों के प्रति उनके दृष्टिकोण को उजागर किया। देश के आम अवाम को समझ आ गया कि कांग्रेस मुसलमानों के वोट हासिल करने के लिए किसी भी हद तक समझौता कर सकती है।

शाहबानो केस भारतीय इतिहास में महत्वपूर्ण घटना बनी हुई है, जो आज भी प्रासंगिक है। यह मामला बताता है कि कैसे धार्मिक और राजनीतिक मुद्दे सामाजिक न्याय और समानता को प्रभावित कर सकते हैं। शाहबानो केस में मुस्लिम संगठनों का असली चेहरा सामने आ गया। वे तलाकशुदा मुस्लिम महिला को अपने पूर्व पति से गुजारा भत्ता पाने का हकदार नहीं मानते थे। उनका तर्क था कि यह फैसला मुस्लिम पर्सनल लॉ में हस्तक्षेप करता है। इसके बाद ही, राजीव गांधी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट दिया था।

कांग्रेस ने इस मामले में मुस्लिम समुदाय को खुश करने के लिए तुष्टिकरण की नीति अपनाई। इसके चलते कांग्रेस को देश ने नकारना शुरू कर दिया। शाहबानो केस में कांग्रेस के स्टैंड से सख्त नाराज होकर वरिष्ठ कांग्रेस नेता और केंद्रीय मंत्री आरिफ मोहम्मद खान ने पार्टी छोड़ी थी। आरिफ साहब की पहचान मुस्लिम और हिंदू धर्मग्रंथों के विद्वान एवं स्वतंत्र विचारों वाले व्यक्ति के रूप में रही है। वे उदार और बुद्धिजीवी व्यक्ति हैं। आरिफ मोहम्मद खान राजीव गांधी की कैबिनेट में होने के बावजूद शाहबानो मामले में उनसे भिड़ गए थे और मंत्रिपद से इस्तीफा देकर विरोध में खड़े हो गए थे।

राजीव गांधी के तुष्टिकरण भरे फैसले ने शाहबानो को झकझोर कर रख दिया। सर्वोच न्यायालय के उस फैसले को पलट कर जिसमें तलाकशुदा शाहबानो को गुजारा भत्ता दिए जाने का निर्देश दिया गया था, इसके लिए उन्हें नया कानून बनाना पड़ा। उद्देश्य था- कट्टरपंथी मौलवियों को खुश करना। अर्थ था- संविधान के ऊपर शरीयत की वरीयता। ऐसे में बोलना तो पड़ेगा, विशेषकर कांग्रेस को और उससे भी ज्यादा राहुल गांधी को, जो हर मौके पर हाथ में संविधान की प्रति लेकर खतरा-खतरा चिल्लाते रहते हैं। उन्हें फैसला करना पड़ेगा कि वे संविधान के पक्ष में हैं या शरीयत के? मुल्ला मुस्लिम पर्सनल लॉ के या तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के गुजारा भत्ते के? बड़ी मुश्किल डगर है- एक तरफ कुआं, दूसरी तरफ खाई, किधर जाएगी कांग्रेस ? सच यह है कि वक्त आने पर मुस्लिम महिलाओं के हक में तीस्ता सीतलवाड़ से लेकर वे तमाम लेखक और कैंडल मार्च निकालने वाले बुद्धिजीवी भी नदारद रहते हैं, जो बात-बात पर मुसलमान औरतें के हक में सोशल मीडिया पर लिखते-बोलते रहते हैं।

दूसरी तरफ, भाजपा को हर वक्त बुरा-भला कहने वाले यह जान लें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने ही अपने कार्यकाल में अभी तक मुस्लिम औरतों के हक में तमाम बड़ी योजनाएं लागू की हैं। मोदी सरकार की ही पहल पर मुस्लिम औरतों को तीन तलाक से मुक्ति मिली। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला आया। इसने मुस्लिम औरतों को तीन तलाक की बर्बर कुप्रथा से मुक्ति दिलाई। हालांकि, कट्टरपंथी मुस्लिम संगठन ट्रिपल तलाक जारी रखने की पुरजोर वकालत कर रहे थे। यह वही लोग थे, जिन्होंने शाहबानो की लड़ाई का विरोध किया था।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

# कर्म के धरातल पर अत्यन्त समृद्ध थे डॉ. मनमोहन सिंह

**आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय**

हज़ारों जवाबों से अछी है मेरी ख़ामोशी, न जाने कितने सवालों की आबरू रखी।

अपनी इसी ख़ामोशी के साथ 26 दिसम्बर, 2024 को फेफड़े में गम्भीर संक्रमण के कारण 92 वर्ष की आयु में रात्रि 9 बजकर 51 मिनट में पूर्व प्रधानमन्त्री डॉ. मनमोहन सिंह इस असार संसार का त्याग कर चुके थे। उनके शरीरान्त के पश्चात् उनकी वही ख़ामोशी इन दिनों मुखर होकर सबको बेचैन कर रही है। डॉ. सिंह ने दस वर्षों के अपने प्रधानमन्त्रित्व काल में देशहित को सर्वोपरि रखा। उन्होंने कभी प्रधानमन्त्री पद पाने की चाह भी व्यक्त नहीं की थी; काँग्रेस नेतृत्व ने खुद उनसे प्रधानमन्त्री पद स्वीकार करने का आग्रह किया था।

वे वाचाल नहीं थे; आत्मप्रशंसक भी नहीं थे; सत्तालोलुप नहीं थे; विपक्षी दलों के लिए कभी अपशब्द का प्रयोग नहीं करते थे। सच तो यह है कि उन्होंने किसी नेता-नेत्री को आरोपित तक नहीं किया। वे न तो भाषणों में जोश दिखाते थे और न ही किसी विवाद को जन्म देते थे। वास्तव में, उनका काम ही उनकी पहचान थी। उनके चरित्र की सबसे बड़ी विशेषता थी कि वे जो भी करते थे, शालीनता के साथ। उन जैसा व्यावहारिक भारतीय अर्थशास्त्री न कल था और न ही आज है; भविष्य में भी कोई नज़र नहीं आ रहा।

डॉ. मनमोहन सिंह जैसा सुशिक्षित एवं अनुभव सम्पन्न प्रधानमन्त्री आज़ादी के बाद से आज तक कोई नहीं हुआ। उनका अर्थबोध अद्वितीय रहा है। हम यदि उसके क्रम को समझें तो वे अर्थशास्त्र में वरिष्ठ व्याख्याता, उपाचार्य (रीडर), प्राध्यापक थे। वे संयुक्त राष्ट्र-व्यापार एवं विकास-सम्मेलन (अंकटाड-यूएनसीटीएडी) में भी सक्रिय थे। भारतीय रिज़र्व बैंक के निदेशक तथा गवर्नर, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक के निदेशक, योजना आयोग के उपाध्यक्ष, दक्षिण आयोग के महासचिव, विदेश व्यापार मन्त्रालय के सलाहकार, दिल्ली स्कूल ऑफ इकॉनमिक्स अन्तरराष्ट्रीय व्यापार के प्राध्यापक, वित्त मन्त्रालय के मुख्य आर्थिक सलाहकार रहे। यही कारण था कि वे विषम आर्थिक परिस्थितियों को भी अपनी कुशाग्र बुद्धिमत्ता का परिचय देते हुए अपने अनुकूल कर लेते थे।

हमें वर्ष 1991 का वह समय स्मरण रखना होगा, जब विश्व गम्भीर आर्थिक संकट के दौर गुजर रहा था। वैसी विषम परिस्थिति में पीवी नरसिम्हा राव के प्रधानमन्त्रित्व काल में डॉ. मनमोहन सिंह को वित्तमन्त्री बनाया गया। उस समय भारत का विदेशी मुद्रा भण्डार रिक्त हो चुका था; देश पर अत्यधिक ऋण का दबाव था। ऐसे में, उनकी तीन आर्थिक नीतियों- (1) उदारीकरण (2) निजीकरण (3) वैश्विकरण ने भारतीय अर्थव्यवस्था को नयी सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया। उन्होंने अपनी सुशिक्षा और अनुभव के बल पर भारतीय अर्थव्यवस्था में अभिनव युग की शुरुआत की। उनकी आर्थिक उदारीकरण की नीति मील का पत्थर साबित हुई, जिसके अन्तर्गत उन्होंने व्यापार, उद्योग तथा निवेश के क्षेत्रों में लोकोपयोगी सुधार किये थे, जिससे भारत को वैश्विक अर्थतन्त्र के साथ जोड़ने मे सहायता मिली। उन्होंने ही शासकीय उद्यमों को निजी क्षेत्र के लिए खोलने की शुरुआत की। निजीकरण के साथ विदेशी निवेश को भी प्रोत्साहित करने का श्रेय उन्हें जाता है। उन्होंने विदेशी कम्पनियों को भारत में निवेश के लिए आकर्षित किया। उनकी नीतियों का ही परिणाम था कि सूझबूझ एवं दूरदर्शिता के साथ उन्होंने कई दशक से भारतीय अर्थव्यवस्था में सुस्त वृद्धि और भ्रष्टाचार के स्रोत लाइसेंस-परमिट राज को समाप्त कर दिया था; कर (टैक्स) कम कर दिये थे। यही कारण था कि उनके वित्तमन्त्रित्व-काल में भारत की आर्थिक दशा-दिशा पूर्णतः स्वस्थ एवं समृद्धि रही।

अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपनी कृति ए प्रामिस्ड लैण्ड में डॉ. मनमोहन सिंह की आर्थिक नीतियों की सराहना करते हुए लिखा था- वर्ष 1990 के बाद वे लगातार भारत की सुदृढ़ अर्थव्यवस्था बनाने में तत्पर और सन्नद्ध रहे। वे भारतीय अर्थव्यवस्था को ऊँचाई पर ले जाने वाले प्रमुख शिल्पी बने।

डॉ. मनमोहन सिंह वर्ष 2004 से 2014 तक भारत के प्रधानमन्त्री बने रहे। उन्होंने अपने उन दस वर्षों के कार्यकाल में कभी अवकाश नहीं लिया, सिवाय वर्ष 2009 में जब उन्हें बाईपास सर्जरी करानी पड़ी थी। वे प्रतिदिन 18 घण्टे क्रियाशील थे। बताया जाता है कि वे प्रतिदिन 300 फ़ाइलों का परीक्षण करते थे।

डॉ. सिंह भारत के ऐसे प्रधानमन्त्री थे जो पं. जवाहरलाल नेहरू के बाद पूरे पाँच वर्षों का कार्यकाल पूर्ण करने के बाद दोबारा प्रधानमंत्री बने। उनके कार्यकाल में शिक्षा के क्षेत्र में कई क्रान्तिकारी सुधार किये गये थे। उन्होंने शिक्षा का अधिकार-अधिनियम लागू किया था, जिसके अन्तर्गत छह से चौदह वर्ष की बालक-बालिकाओं के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा की गारंटी दी गयी थी। हमें भूलना नहीं होगा कि डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में यूपीए सरकार ने वर्ष 2006 में मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारण्टी-अधिनियम) को लागू किया था, जिसमें ग्रामीण भारत के निर्धन परिवार को 100 दिनों के रोजगार देने की व्यवस्था रही। उनके कार्यकाल में भारत ने सूचना-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनायी। बीपीओ और आइटी उद्योग ने लाखों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उत्पन्न किये थे। टेलीकॉम-क्षेत्र में कराये गये सुधार ने देश के कोने-कोने में मोबाइल और इंटरनेट कनेक्टिविटी का विस्तार किया।

डॉ. मनमोहन सिंह की दूरदर्शिता तब और मुखर रूप में सामने आई जब वर्ष 2008 में भारत-अमेरिका का परमाणु-समझौता हुआ था, जो भारत को असैनिक परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम था।

इसके द्वारा देश में ऊर्जा-संकट कम करने और स्वछ ऊर्जा को बढ़ावा देने की नींव रखी गयी थी, हालांकि उस समझौते को लेकर तत्कालीन प्रतिपक्षी नेताओं ने विरोध भी किया, फिर भी डॉ. मनमोहन सिंह अपने निर्णय पर अटल बने रहे।

हम डॉ. मनमोहन सिंह को दूरदर्शी प्रधानमन्त्री क्यों विश्लेषित करते आ रहे हैं? इसका उत्तर साफ है कि वे प्रधानमन्त्री-पद की कुर्सी से चिपके रहना नहीं चाहते थे। उन्होंने तो वर्ष 2014 मे सुस्पष्ट शब्दों में कह दिया था, ‘मैं तीसरी बार प्रधानमन्त्री नहीं बनूँगा। इतिहास मेरे साथ समकालीन मीडिया और विपक्ष से ज़्यादा इंसाफ़ करेगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

## स्मृति शेष: डॉ. मनमोहन सिंह

-कमलेश्वर शरण

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का नाम भारतीय राजनीति में एक ऐसे नेता के रूप में लिया जाता है, जिन्होंने अपनी कड़ी मेहनत, समर्पण और बौद्धिक क्षमता से न केवल भारतीय राजनीति, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था को भी नई दिशा दी। लेकिन एक दिलचस्प पहलू यह है कि डॉ. मनमोहन सिंह ने कभी भी सीधे चुनाव नहीं लड़ा। उनका प्रधानमंत्री बनने का सफर और राजनीति में उनका योगदान भारतीय लोकतंत्र के एक अनोखे और प्रेरणादायक अध्याय के रूप में सामने आता है।

मनमोहन सिंह का जीवन परिचयडॉ. मनमोहन सिंह का जन्म 26 सितंबर 1932 को पंजाब के गांव गाह (अब पाकिस्तान) में हुआ था। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पंजाब में प्राप्त की और बाद में दिल्ली विश्वविद्यालय के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स से अर्थशास्त्र में मास्टर डिग्री प्राप्त की। इसके बाद वह ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट (D. Phil) करने के लिए गए, जहां उन्होंने वैश्विक आर्थिक समस्याओं पर गहरी सोच और विश्लेषण किया।

मनमोहन सिंह का करियर अर्थशास्त्री के रूप में शुरू हुआ और भारतीय रिजर्व बैंक में कार्य करते हुए उन्होंने देश के वित्तीय प्रबंधन को सशक्त बनाने की दिशा में काम किया। बाद में वे वित्त मंत्रालय में देश के वित्त मंत्री के रूप में कार्यरत हुए, जहां उन्होंने 1991 में ऐतिहासिक आर्थिक सुधारों की शुरुआत की। इन सुधारों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को एक नई दिशा दी और उसे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाया।

प्रधानमंत्री बनने का रास्ता 1991 में जब भारतीय अर्थव्यवस्था गंभीर संकट का सामना कर रही थी, तब मनमोहन सिंह को देश के वित्त मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया। उनके नेतृत्व में भारतीय सरकार ने न केवल विदेशी ऋण को पुनर्निर्धारित किया, बल्कि एक श्रृंखलाबद्ध आर्थिक सुधार कार्यक्रम की शुरुआत की, जिसे नव उदारवाद के रूप में जाना जाता है। इसके परिणामस्वरूप भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक मंच पर एक नई पहचान मिली। इसके बाद 2004 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी ने डॉ. मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में चुना। हालांकि मनमोहन सिंह ने कभी भी चुनाव नहीं लड़ा था लेकिन उनकी बौद्धिक क्षमता और विश्वसनीयता के कारण उन्हें प्रधानमंत्री के पद के लिए उपयुक्त माना गया।मनमोहन सिंह को 2004 में राय सभा सदस्य के रूप में चुना गया था और इसी पद से उन्होंने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। उनका प्रधानमंत्री बनने का रास्ता किसी पारंपरिक राजनीतिक नेता के मार्ग से भिन्न था। उन्होंने ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री पद की शपथ ली, जहां वे पहले से ही चुनावी प्रक्रिया से बाहर थे लेकिन उनके अनुभव और सशक्त नेतृत्व की क्षमता ने उन्हें यह पद दिलवाया।

नेतृत्व में अपार सफलतामनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश को एक महत्वपूर्ण स्थान पर पहुंचाया। उनके नेतृत्व में भारत ने कई आर्थिक और राजनीतिक सुधार किए और 2008 में भारत ने एक ऐतिहासिक परमाणु समझौता (INDO-US Nuclear Deal) किया, जिसे दुनिया भर में सराहा गया। इसके अलावा उन्होंने भारत के सामाजिक क्षेत्र में भी कई महत्वपूर्ण पहल की, जैसे महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (MGNREGA) की शुरुआत और आधार प्रणाली का विस्तार। मनमोहन सिंह ने अपने कार्यकाल में राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सुधारों के माध्यम से एक स्थिर और समृद्ध भारत की दिशा में काम किया।

राजनीतिक सफर में चुनौतियां मनमोहन सिंह का राजनीतिक जीवन हमेशा विवादों से मुक्त नहीं रहा। एक तरफ उनकी छवि ईमानदार और गंभीर नेता की थी, वहीं दूसरी ओर कुछ आलोचक यह मानते थे कि उनके नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी और यूपीए सरकार पर निर्णय लेने में विलंब का आरोप था। विशेष रूप से 2ज़ स्पेक्ट्रम घोटाले और कोयला घोटाले जैसे मामलों के बाद उनकी नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाए गए। इसके बावजूद मनमोहन सिंह ने अपने शांतिपूर्ण और स्थिर नेतृत्व से यह साबित किया कि वे भारतीय राजनीति में एक सकारात्मक बदलाव के प्रतीक हैं।

कभी चुनाव न लड़ने का कारणमनमोहन सिंह का यह राजनीतिक सफर और उनकी कड़ी मेहनत यह सिद्ध करती है कि नेतृत्व का कोई निर्धारित पैटर्न नहीं होता। उन्होंने कभी भी चुनावी राजनीति में प्रवेश नहीं किया, लेकिन उनकी नेतृत्व क्षमता, आर्थिक ज्ञान और निर्णय क्षमता ने उन्हें भारत के प्रधानमंत्री तक पहुँचाया। उनका मानना था कि उन्हें जनादेश से नहीं बल्कि अपनी कार्यकुशलता से लोगों का विश्वास हासिल करना है। मनमोहन सिंह का यह कदम राजनीति में एक नए दृष्टिकोण को दर्शाता है, जहां कड़ी मेहनत, ईमानदारी और कार्यों के प्रति प्रतिबद्धता अधिक मायने रखती है, न कि चुनावी दौरे और प्रचार।

प्रेरणा स्रोत मनमोहन सिंह का राजनीतिक सफर भारत के लिए प्रेरणा स्रोत बन चुका है। उन्होंने यह साबित किया कि राजनीति में चुनावी जीत के अलावा भी एक नेता अपने कार्यों से इतिहास रच सकता है। उनका जीवन यह दर्शाता है कि भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में जहां चुनावी राजनीति का महत्व सर्वोपरि है, वहां भी एक व्यक्ति अपनी क्षमता और ईमानदारी से प्रधानमंत्री बन सकता है।

मनमोहन सिंह का निधनपूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 26 दिसंबर 2024 को दिल्ली में अंतिम सांस ली। उनके निधन से भारत ने एक महान नेता और आर्थिक सुधारक को खो दिया है। उनका योगदान न केवल भारतीय अर्थव्यवस्था में, बल्कि भारतीय राजनीति और समाज में भी अविस्मरणीय रहेगा। उनकी शांति, ईमानदारी और समर्पण के कारण उन्हें न केवल भारत, बल्कि दुनिया भर में सम्मान प्राप्त था।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

## कनिष्कदेव गोरावाला मीडिया क्रिकेट में चैंपियन बनी ईश्वर देव मिश्र एकादश

एजेंसी

**वाराणसी।** ईश्वर देव मिश्र एकादश ने आनन्द चंदोला खेल महोत्सव में खेली जा रही 37वीं कनिष्कदेव गोरावाला मीडिया क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में विद्या भास्कर एकादश को 32 रनों से हरा कर खिताब जीत लिया। काशी पत्रकार संघ से संचालित वाराणसी प्रेस क्लब एवं जिला प्रशासन के बैनर तले सांसद सांस्कृतिक जागरूकता महोत्सव के तहत डॉ सम्पूर्णानन्द स्पोर्ट्स काम्पलेक्स सिगरा में फाइनल मैच खेला गया। प्रतियोगिता में पहले खेलते हुए ईश्वर देव मिश्र एकादश ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 177 रन बनाए। सोनू ने 52, अमित मिश्रा ने 17, अमित मिश्र द्वितीय ने 13, इरफान ने 30 गेंद पर नाबाद 50 रन बनाए। विद्याभास्कर एकादश की तरफ से सुब्रतो मुखर्जी ने तीन, अभिषेक कुमार ने दो विकेट लिए। जवाब में खेलने उतरी विद्या भास्कर एकादश की टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 145 रन ही बना सकी। राहुल सिंह ने 30 गेंद पर 57 रन, अभिषेक कुमार ने 23 रन की पारी खेली। ईश्वरदेव मिश्र एकादश की तरफ से इरफान ने तीन, रवि सिंह, पुरूषोत्तम चतुर्वेदी, सोनू, अमित मिश्रा व शैलेश चौरसिया ने एक-एक विकेट लिया। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि हिमांशु नाग पाल (वाराणसी सीडीओ) ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार इरफान खान को, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज दीनबंधु राय को, सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज विनय शंकर सिंह को मिला।

## खिलाड़ियों ने मैदान पर दिखाया दम, बोले फाइनल को तैयार हैं हम

**प्रयागराज।** नगर निगम की ओर से सात दिवसीय 'स्वच्छता महाकुम्भ' के तीसरे दिन तीन पालियों में क्रिकेट मैच हुआ। जमुना क्रिश्चियन कॉलेज में चल रहे 'स्वच्छता प्रयाग प्रीमियर लीग' में छह टीमों के बीच दिलचस्प मुकाबला हुआ। पहली पाली में यादगारे हुसैनी इंटर कॉलेज और स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज के बीच मैच हुआ। स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी का मौका यादगार हुसैनी इंटर कॉलेज की टीम को दिया। मैदान पर उतरे यादगार हुसैनी के धुरंधरों ने 10 ओवर में 100 बनाए। टीम के कप्तान मोहम्मद अमीन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अकेले 70 रन बनाए। वहीं, जवाब में उतरी स्वामी विवेकानंद की टीम 94 रन पर ऑल आउट हो गई। बिशप जॉर्ज ने 29 रनों से जीता मैच दूसरी पाली का मैच बिशप जॉर्ज स्कूल और सीएवी इंटर कॉलेज के बीच हुआ। सीएवी इंटर कॉलेज की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी का मौका बिशप जॉर्ज स्कूल को दिया। बिशप जॉर्ज स्कूल के सलामी बल्लेबाज आमिर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 21 रन बनाए। पूरी टीम ने मिलकर 10 ओवर में 88 रनों का स्कोर खड़ा किया। वहीं, जवाब में उतरे सीएवी इंटर कॉलेज के बल्लेबाज मैदान पर कमाल न दिखा सके और पूरी टीम 59 रन बनाकर सिमट गई। बिशप जॉर्ज स्कूल की टीम ने 29 रनों से मैच जीत लिया।

## हैदराबाद के खिलाफ जीत की लय बरकरार रखने उतरेगी ईस्ट बंगाल एफसी

**हैदराबाद।** ईस्ट बंगाल एफसी (रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड) शनिवार को जीएमसी बालायोगी एथलेटिक स्टेडियम में शाम को खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में मेजबान हैदराबाद एफसी से भिड़ेगी, तो रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड का लक्ष्य मेजबान टीम पर अपने हालिया दबदबे को जारी रखना होगा।रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड ने सीजन 2023-24 में हैदराबाद एफसी के खिलाफ अपने पिछले दो आईएसएल मैच जीतकर लीग डबल पूरा किया और पिछले पांच मैचों में चार जीते हैं। ईस्ट बंगाल एफसी 12 मैचों में चार जीत, एक ड्रा और सात हार से 13 अंक लेकर तालिका में 11वें स्थान पर है। वहीं, हैदराबाद एफसी पिछले पांच मैचों में लगातार हार रही है। हैदराबाद एफसी 12 मैचों में दो जीत, एक ड्रा और नौ हार से सात अंक लेकर तालिका में 12वें स्थान पर है। हैदराबाद एफसी ने इस सीजन में 12 मैचों में 25 गोल खाए हैं। उन्होंने अपने पिछले पांच मैचों में ही 15 गोल खाए हैं और इस दौरान ओडिशा एफसी के खिलाफ 0-6 और नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के खिलाफ 2-5 की हारी है। डिफेंसिव खामियों के बावजूद, एलेक्स साजी ने लगातार अच्छा प्रदर्शन करके प्रति मैच औसतन 5.8 क्लीयरेंस किए हैं।

## चेन्नइयन की कमजोरी का फायदा उठाने उतरेगी बेंगलुरू एफसी

**चेन्नई।** बेंगलुरू एफसी और चेन्नइयन एफसी शनिवार को शाम जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में भिड़ेंगे। एफसी गोवा के साथ 2-2 से ड्रा खेलने के बाद बेंगलुरू इस मुकाबले में उतरेंगे। बेंगलुरू 12 मैचों में सात जीत, तीन ड्रा और दो हार से 24 अंक लेकर तालिका में दूसरे स्थान पर है। वहीं, चेन्नइयन को मुम्बई सिटी एफसी से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। अपने पिछले पांच मुकाबलों में चार हारने वाली चेन्नइयन 13 मैचों में चार जीत, तीन ड्रा और छह हार से 15 अंक लेकर तालिका में नौवें स्थान पर है। बेंगलुरु (15) ने रक्षात्मक दृढ़ता दिखाते हुए लीग में दूसरे सबसे कम गोल खाए हैं। वहीं, चेन्नइयन एफसी ने केवल 17 गोल किए हैं, जिनमें विलमर जॉर्डन गिल के छह गोल हैं। बेंगलुरू एफसी (तीन ड्रा, छह हार) के खिलाफ अपने पिछले 10 आईएसएल मैचों में चेन्नइयन एफसी केवल एक बार जीती है। हैदराबाद एफसी को 1-0 से हराकर चेन्नइयन ने घरेलू मैदान पर चार मैचों में जीत से दूरी को समाप्त किया। बेंगलुरु ने अपने पिछले पांच आईएसएल मैचों में कई गोल किए हैं और अपने सबसे लंबे स्कोरिंग सिलसिले की बराबरी की है।

# मेलबर्न टेस्ट : तीसरे दिन का खेल खत्म, नीतीश के शतक की बदौलत भारत 9 नौ विकेट पर 358 रन बनाए

एजेंसी

**मेलबर्न।** भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेली जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के चौथे मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म हो गया है।

खेल खत्म होने तक भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में नौ विकेट खोकर 358 रन बना लिए हैं। युवा ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने बेहतरीन शतक जड़ा है और वह फिलहाल 176 गेंदों में 10 चौके और एक छक्के की मदद से 105 रन बनाकर नाबाद हैं। उनके साथ मोहम्मद सिराज भी दो रन बनाकर नाबाद हैं। मेलबर्न में खेले जा रहे मैच में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए थे। इस लिहाज से भारतीय टीम अभी भी 116 रन पीछे है। भारतीय टीम तीसरे दिन आज अपने कल के स्कोर 5 विकेट पर 164 रन से आगे खेलना शुरू किया। ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा ने संभलकर पारी को आगे बढ़ाया। हालांकि पंत टीम के 191 के कुल स्कोर पर बोलैंड का शिकार बने। पंत

ने 28 रन बनाए। रवींद्र जडेजा भी 221 के कुल स्कोर पर नाथन लियोन का शिकार बने। जडेजा ने 17 रन बनाए। 221 रन पर 7 विकेट खोकर भारतीय टीम मुश्किल में फंस गई थी और ऐसा लग रहा था कि भारत सिर्फ फॉलोआन से बचाया, बल्कि मैच में वापसी भी दिला दी। दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर पहले पुरानी और फिर नई गेंद को भी संभलकर खेला और भारत के स्कोर को तीन सौ के पार पहुंचाया। नीतीश ने इस दौरान फॉलोआन खेलेगा, लेकिन यहां से नीतीश कुमार रेड्डी और वाशिंगटन सुंदर ने बेहतरीन बल्लेबाजी कर भारत को न अपना अर्धशतक भी पूरा किया। दोनों खिलाड़ियों ने बेहतरीन बल्लेबाजी की। नीतीश के बाद सुंदर ने भी अर्धशतक जड़ दिया। हालांकि इसके बाद वह ऑउट हो गए। उन्होंने 162 गेंद में 50 रन बनाए। 350 के स्कोर पर भारत को नौवां झटका लगा। जसप्रीत बुमराह खाता खोले बिना आउट हो गए। इसके बाद नीतीश रेड्डी ने शानदार शतक जड़ दिया। उन्होंने 171 गेंद में चौका लगाकर शतक लगाया। यह उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला शतक है। इसके बाद खराब रोशनी की वजह से खेल रोका गया, लेकिन फिर बारिश शुरू हो गई जिसके चलते दिन का खेल खत्म होने की घोषणा कर दी गई।

इससे पहले दूसरे दिन सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 82 रन, कप्तान रोहित शर्मा तीन, केएल राहुल 24 रन, विराट कोहली 36 रन बनाकर आउट हुए थे। ऑस्ट्रेलिया के लिए पैट कमिंस ने 3, स्कॉट बोलैंड ने 3 और नाथन लियोन ने 2 विकेट लिए।

## प्रीमियर लीग : इप्सविच को हराकर दूसरे स्थान पर पहुंचा आर्सेनल

एजेंसी

**लंदन।** आर्सेनल घरेलू मैदान पर संघर्षरत इप्सविच टाउन को 1-0 से हराकर प्रीमियर लीग में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। लिआंड्रो ट्रॉसार्ड के क्रॉस

के बाद काई हैवर्टज़ का 23वें मिनट में किया गया टैप-इन, खेल का निर्णायक बिंदु साबित हुआ, जिसमें आर्सेनल ने शुरू से अंत तक अपना दबदबा बनाए रखा, इप्सविच ने खेल के दौरान केवल तीन शॉट ही लगाए, जिनमें से कोई भी निशाने पर नहीं लगा।हैवर्टज़ ने आर्सेनल की बढ़त को दोगुना करने का मौका गंवा दिया, जबकि गेब्रियल जीसस के एक गोल को ऑफसाइड के कारण रद्द किया गया। अन्य मैचों में ब्राइटन और ब्रेंटफ़ोर्ड का मैच गोल रहित ड्रा रहा। गुरुवार को लिवरपूल ने लीसेस्टर सिटी को घरेलू मैदान पर 3-1 से हराकर अपनी बढ़त मजबूत कर ली, जबकि फुलहम ने चेल्सी को 2-1 से हराकर स्टैमफोर्ड ब्रिज पर 45 वर्षों में अपनी पहली जीत दर्ज की। नॉटिंघम फॉरेस्ट ने टोटेनहैम को 1-0 से हराकर अपना शानदार सत्र जारी रखा है, जबकि मैनचेस्टर यूनाइटेड की समस्याएं जारी हैं, क्योंकि उसे वोल्वरहैम्पटन वांडरर्स से 2-0 से हार का सामना करना पड़ा, जो इस जीत के साथ अंतिम तीन से बाहर आ गया है।

## क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने की बैलन डी'ओर पुरस्कार की आलोचना, कहा- विनिसियस जूनियर गोल्डन बॉल जीतने के हकदार थे

एजेंसी

**दुबई।** दिग्गज पुर्तगाली फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने बैलन डी'ओर पुरस्कार की आलोचना की और कहा कि रियल मैड्रिड और ब्राजील के सुपरस्टार विनीसियस जूनियर सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी के रूप में नामित होने के हकदार थे।इससे पहले अक्टूबर में, मैनचेस्टर सिटी के मिडफील्डर रॉड्री को 2024 पुरुष बैलन डी'ओर विजेता नामित किया गया था, उन्होंने अपने क्लब को लगातार चौथी बार इंग्लिश प्रीमियर लीग का खिताब दिलाने में मदद की। क्लब फ़ुटबॉल के अलावा, रॉड्री ने स्पेनिश राष्ट्रीय टीम के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जर्मनी में 2024 यूरो में उनकी जीत में योगदान दिया, जहाँ उन्होंने जुलाई में इंग्लैंड को 2-1 से हराया। उन्हें प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट चुना गया।बैलन डी'ओर पुरस्कार समारोह के एक महीने बाद, विनीसियस ने द बेस्ट फीफा मेन्स प्लेयर ऑफ़ द ईयर जीता और उन्हें दुबई ग्लोब सॉकर अवार्ड्स में प्लेयर ऑफ़ द ईयर का पुरस्कार

भी दिया गया। पांच बार के बैलन डी'ओर विजेता रोनाल्डो को ग्लोब सॉकर अवार्ड्स में 'बेस्ट मिडिल ईस्ट प्लेयर' का पुरस्कार भी दिया गया। ग्लोब सॉकर अवार्ड्स में रोनाल्डो ने कहा,विनिसियस को 2024 का पुरुष बैलन डी'ओर पुरस्कार देने से मना करना अनुचित था। मेरी राय में, वह [विनिसियस] गोल्डन बॉल [बैलन डी'ओर पुरस्कार] जीतने के हकदार थे। मैं यहाँ सबके सामने कह रहा हूँ। वे इसे रॉड्री को देते हैं, वह भी इसके हकदार थे, लेकिन उन्हें इसे विनिसियस को देना चाहिए था क्योंकि उन्होंने चैंपियंस लीग जीती और फाइनल में गोल किया। पुर्तगाल के कप्तान ने कहा कि ग्लोब सॉकर अवार्ड्स अन्य गाला से बेहतर है क्योंकि वे पारदर्शी हैं। उन्होंने कहा, आप इन गाला को जानते हैं, वे हमेशा एक ही काम करते हैं।

# महिला एशेज से बाहर हुईं ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर सोफी मोलिनक्स

एजेंसी

**मेलबर्न।** ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर सोफी मोलिनक्स इंग्लैंड के खिलाफ 12 जनवरी से शुरू होने वाले वनडे मैचों के साथ मल्टी-फॉर्मेट महिला एशेज के दौरान एक्शन में नहीं दिखेंगी। मोलिनक्स, जिन्होंने इस महीने की शुरुआत में मेलबर्न रेनेगेड्स को महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) खिताब दिलाया था, घुटने की समस्या से जूझ रही थीं। हाल ही में भारत के साथ सीरीज के बाद उन्हें दर्द हुआ और पिछले हफ्ते न्यूजीलैंड में तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गईं। अब उन्हें घुटने की सर्जरी करानी होगी, जिससे वह कुछ समय के लिए आराम कर सकेंगी। टीम की फिजियोथेरेपिस्ट केट बीरवर्थ ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के हवाले से कहा, सोफी मोलिनक्स अगले महीने अपने बाएं घुटने की सर्जरी करवाएंगी, जिसके बाद हम वापसी की अनुमानित तारीख के बारे में जानकारी देंगे। ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली भी घुटने की चोट से जूझ रही हैं, जिसके कारण उन्हें भारत के खिलाफ सीरीज से

बाहर बैठना पड़ा। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए लौटीं, लेकिन उन्होंने उन वनडे मैचों में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी नहीं ली - उन्होंने यह जिम्मेदारी बेथ मूनी को सौंप दी। यह देखना अभी बाकी है कि वह एशेज में यह जिम्मेदारी संभालती हैं या नहीं।क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की परफॉरमेंस हेड (महिला क्रिकेट) और राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने कहा, एलिसा हीली को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलते हुए देखना सुखद था और वह अच्छी लय में दिखीं, साथ ही कई बल्लेबाजों ने भारत के खिलाफ हाल ही में खेली गई सीरीज से अपनी मजबूत फॉर्म जारी रखी।

# पीकेएल 11: पटना पाइरेट्स ने दबंग दिल्ली को हराया, फाइनल में हरियाणा स्टीलर्स से होगा सामना

एजेंसी

**पुणे।** पटना पाइरेट्स ने शुक्रवार रात श्री शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, बालेवाड़ी में प्रो कबड्डी लीग सीजन 11 में दबंग दिल्ली के 15 मैचों से चले आ रहे अपराजेय अभियान को रोकते हुए फाइनल में जगह बना ली। पटना ने दिल्ली को 32-28 से हराया।पाइरेट्स ने मैच की शुरुआत जोरदार तरीके से की और देवांक दलाल और अयान लोहचब की जोड़ी के दम पर दिल्ली पर हमला किया और 10 मिनट के बाद पांच अंकों की बढ़त ले ली। मैट पर आखिरी खिलाड़ी तक पहुंचने के बाद, दिल्ली के सुपर-सब मोहित ने दूसरे चरण के शुरुआती चरण में अपनी टीम को मुकाबले में बनाए रखने के लिए तीन अंकों की रेड की। तीन बार के चैंपियन पाइरेट्स ने आखिरकार दिल्ली पर जोरदार हमला किया, जिससे उनका दबदबा और मजबूत हुआ और 15

मिनट के बाद उनकी बढ़त 12-8 के अंतर तक पहुंच गई।हाफ-टाइम तक पाइरेट्स ने अपने विरोधियों पर सात अंकों की महत्वपूर्ण बढ़त बनाए रखी, जिससे संभावित निर्णायक जीत की स्थिति बन गई। हालांकि, अपने करिश्माई कप्तान से प्रेरित दिल्ली ने शानदार वापसी की। इसके डिफेंस ने भी महत्वपूर्ण योगदान देना शुरू कर दिया, जिससे पाइरेट्स की रेडिंग यूनिट पर भारी दबाव पड़ा। सीजन आठ की चैंपियन दिल्ली ने अपने ऑल-आउट के साथ अंतिम चरण की शुरुआत की, जिससे अंतर नाटकीय रूप से घटकर मात्र एक अंक रह गया। कीमती मिनट बचे होने पर स्कोर 27-27 पर था, जिससे गहन सस्पेंस का माहौल बन गया। एक महत्वपूर्ण करो या मरो रेड में, अयान ने योगेश पर एक सफल टच किया, जिससे पाइरेट्स को मामूली बढ़त मिली। इसके बाद उन्होंने गति का लाभ उठाते हुए मैच के अंतिम रेड में दो महत्वपूर्ण अंक हासिल किए, जिससे उनकी टीम की जीत सुनिश्चित हो गई। दिल्ली के लिए आशु ने नौ अंक लेकर अहम योगदान दिया, जबकि मोहित ने सात अंक बनाकर प्रभावित किया। हालांकि, इसके डिफेंस ने पाइरेट्स की रेडिंग यूनिट को रोकने के लिए संघर्ष किया, खासकर पहले हाफ में, जो अंततः हार का एक महत्वपूर्ण कारक साबित हुआ।

## प्रदेशीय महिला खेल समारोह वॉलीबाल में लखनऊ, खो-खो में वाराणसी बनी चैम्पियन

एजेंसी

**जौनपुर।** इन्दिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम सिद्दीकपुर में भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष पर आयोजित हो रही प्रदेश स्तरीय महिला वॉलीबाल एवं खो-खो प्रतियोगिता के तीसरे दिन फाइनल खिलाड़ियों के बीच पूर्व प्रधानमंत्री डॉ0 मनमोहन सिंह के निधन की खबर लगने के साथ ही राष्ट्रीय शोक की घोषणा के मध्य मैच सादगीपूर्ण ढंग से खेला गया।

अधिकारी, खिलाड़ी, टीम मैनेजर एवं निर्णायक ने दो मिनट का मौन रखकर पूर्व प्रधानमंत्री के प्रति अपनी शोक संवेदना प्रकट किया। इस अवसर पर वॉलीबाल व खो-खो के विजेता, उप विजेता एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को बिना किसी समारोह के पुरस्कृत किया गया। आज खेले गये मैच का विवरण इस प्रकार है- वॉलीबाल में सेमीफाइनल का पहला मैच गोरखपुर बनाम लखनऊ के मध्य खेला गया, जिसमें लखनऊ की टीम (2-1) 25-22, 25-18 एवं 25-16 अंक से विजेता हुई। सेमीफाइनल का दूसरा मैच कानपुर बनाम आजमगढ़ के मध्य खेला गया, जिसमें आजमगढ़ की टीम (2-0) 25-13, 25-02 अंक से विजेता रही। फाइनल मैच लखनऊ बनाम आजमगढ़ के मध्य हुआ जिसमें लखनऊ की टीम 3-2, 25-16, 12-25, 25-10, 26-24 व 15-07 अंक से विजेता रही। आजमगढ़ की टीम की अना रिजवी का प्रदर्शन बेहतरीन रहा तथा लखनऊ की टीम खुशबू रावत ने अच्छा प्रदर्शन किया।

## ओडिशा एफसी को ड्रा पर रोककर मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने तोड़ा अपनी हार का सिलसिला

एजेंसी

**कोलकाता।** मोहम्मडन एससी ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में लगातार पांच हार के सिलसिले को तोड़ दिया है, जब ब्लैक पैंथर्स ने अपने घरेलू मैदान किशोर भारती क्रीड़ांगन में खेले गए आईएसएल 2024-25 मुकाबले में दमदार प्रदर्शन करते हुए ओडिशा एफसी को गोलरहित (0-0) ड्रा खेलने के लिए मजबूर किया। मोहम्मडन स्पोर्टिंग के अर्जेंटीनी मिडफील्डर एलेक्सिस गोमेज को बीच मैदान पर मजबूत खेल दिखाने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। आज जगरनॉट्स द्वारा नीरस ड्रा खेलने से स्पेनिश हेड कोच सर्जियो लोबेरा निश्चित रूप से निराश होंगे क्योंकि सहायक कोच एंथनी फर्नांडीस की देखरेख में मैदान पर उतरने के बाद जगरनॉट्स प्रभावी खेल नहीं दिखा पाए। ओडिशा एफसी 13 मैचों में पांच जीत, पांच ड्रा और तीन हार से 20 अंक लेकर तालिका में पांचवें से चौथे स्थान पर आ गई है। वहीं, ब्लैक पैंथर्स द्वारा बेहतर खेल दिखाने के बावजूद ड्रा के रूप में परिणाम आने से रूसी हेड कोच आंद्रेई चेर्निशोव जरूर निराश होंगे। मोहम्मडन स्पोर्टिंग 13 मैचों में एक जीत, तीन ड्रा और नौ हार से छह अंक लेकर 13 टीमों की तालिका में सबसे निचले स्थान पर है।

बेहद नीरस रहा पहला हाफ गोलरहित बराबरी पर समाप्त हुआ, क्योंकि दोनों ही टीमें बहुत ज्यादा डिफेंसिव खेलती नजर आईं और गतिरोध तोड़कर बढ़त बनाने की भूख नहीं दिखाई दी। लिहाजा, हाफ टाइम ब्रेक पर स्कोर 0-0 था। गेंद पर ज्यादा नियंत्रण ओडिशा एफसी का 60 फीसदी रहा। लेकिन जगरनॉट्स आश्चर्यजनक रूप से कोई भी प्रयास करने में नाकाम रहे। उनको मैदान के बाहर बेंच पर अपने हेड कोच लोबेरा और मैदान के अंदर क्रिएटिव मिडफील्डर अहमद जाहौह की कमी साफ खली, जिस कारण जगरनॉट्स के खेल में पैनापन बिल्कुल भी नहीं था और वे हमले भी नहीं बोल पाए। लिहाजा, गोल नहीं आया। वहीं, गेंद पर 40 फीसदी कब्जा रखने वाली मोहम्मडन स्पोर्टिंग की तरफ से पांच प्रयास किए गए, जिनमें से सभी शॉट दिशाहीन थे और गोल नहीं आया। लिहाजा, दोनों टीमों के बेहद रक्षात्मक खेलने के कारण दोनों गोलकीपरों पदम छेत्री (मोहम्मडन स्पोर्टिंग) और अमरिंदर सिंह (ओडिशा एफसी) को टेस्ट नहीं किया जा सका। यह आईएसएल में ओडिशा एफसी और मोहम्मडन एससी के बीच पहला मुकाबला था, जो कि ड्रा पर समाप्त हुआ।

## संतोष ट्रॉफी : सेमीफाइनल में पश्चिम बंगाल का सामना सर्विसेज से, मणिपुर से भिड़ेगा केरल

एजेंसी

**हैदराबाद।** 78वीं राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप संतोष ट्रॉफी के सेमीफाइनल की लाइन-अप पूरी हो गई है। खेले गए क्वार्टरफाइनल मुकाबलों के बाद केरल, सर्विसेज, पश्चिम बंगाल और मणिपुर ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। रविवार, को सेमीफाइनल में, पश्चिम बंगाल का सामना सर्विसेज के साथ दोपहर ढाई बजे और उसके बाद शाम साढे सात बजे केरल का सामना मणिपुर से होगा। खेले गए पिछले दो क्वार्टर फाइनल में, फुटबॉल की दिग्गज टीम केरल ने जम्मू और कश्मीर के कड़े प्रतिरोध को पार करते हुए 1-0 से जीत हासिल की और 31वीं बार सेमीफाइनल में जगह बनाई, जबकि गत चैंपियन सर्विसेज ने मेघालय को 2-1 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। दिन के पहले मैच में, केरल ने आखिरकार 73वें मिनट में नसीब रहमान के गोल के

जरिए जम्मू और कश्मीर को 1-0 से हराया। दूसरे मैच में, थिंगनाम बिध्यासागर सिंह (33फीसदी) और राहुल रामकृष्णन (46फीसदी) ने सर्विसेज के लिए गोल किए, जबकि ओवरकाइंडनेस एल मवनई (86फीसदी) ने मेघालय के लिए एक गोल किया।

## हरियाणा स्टीलर्स ने यूपी योद्धा को हरा फाइनल में बनाई जगह

**पुणे।** हरियाणा स्टीलर्स ने पुणे के बालेवाड़ी स्थित श्री शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में सेमीफाइनल 1 में यूपी योद्धा को हराकर पीकेएल सीजन 11 के फाइनल में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया। हरियाणा स्टीलर्स ने बहुत ही करीबी मुकाबले में 28-25 के स्कोर से जीत हासिल की जिसमें शिवम पटारे, विनय, राहुल और मोहम्मद रेजा शादलोई ने प्रमुख भूमिका निभाई। यह लगातार दूसरी बार है, जब हरियाणा स्टीलर्स ने पीकेएल के फाइनल में जगह बनाई है। शाम की शुरुआत एक्शन से भरपूर रही, जिसमें हरियाणा स्टीलर्स और यूपी योद्धा दोनों ने शुरुआती मुकाबलों में बढ़त हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत की। पहले कुछ मिनटों में मुकाबला बराबरी का रहा, फिर यूपी योद्धा ने तीन अंकों की बढ़त बना ली। मोहम्मदरेजा शादलोई और विनय ने हरियाणा स्टीलर्स के लिए अहम जिम्मेदारी निभाई जबकि गगन गौड़ा और सुमित ने यूपी योद्धाज के लिए नेतृत्व किया। जैसे-जैसे हाफ आगे बढ़ा, दोनों टीमों ने पॉइंट्स, रेड्स और टैकल का आदान-प्रदान किया और कोई भी टीम बढ़त हासिल नहीं कर सकी। विनय हरियाणा स्टीलर्स के लिए महत्वपूर्ण अंक बना रहे थे और भवानी राजपूत यह सुनिश्चित कर रहे थे कि यूपी योद्धा बराबरी की स्थिति में रहे। दोनों टीमों की रक्षात्मक इकाइयों ने स्थिति को काफी सुरक्षित बनाए रखा,फिर भी हरियाणा स्टीलर्स हाफ टाइम तक 12-11 की बढ़त के साथ आगे बढ़ने में सफल रहा।दूसरे हाफ की शुरुआत में हरियाणा स्टीलर्स ने तेजी से अंक बनाए और अपने विरोधियों को ऑल आउट कर दिया जिससे यूपी योद्धा पर दबाव बढ़ गया। शिवम पटारे और विनय विपक्षी डिफेंस को हर तरह की परेशानी दे रहे थे जबकि मोहम्मदरेज़ा शादलोई भी महत्वपूर्ण अंक हासिल कर रहे थे। आधे घंटे के बाद हरियाणा स्टीलर्स पूरी तरह से बॉक्स सीट पर थे और तीन अंकों की बढ़त हासिल कर चुके थे। हरियाणा स्टीलर्स का दबदबा जारी रहा और उन्होंने यूपी योद्धा को आसानी से मात दी। पीकेएल सीजन 11 के लीग चरण में शीर्ष पर रहने वाली टीम ने अपना दमखम दिखाया, हालांकि गगन गौड़ा और भवानी राजपूत ने उलटफेर करने की पूरी कोशिश की। अंतिम मिनटों में यूपी योद्धाओं पर खेल का पीछा करने की जिम्मेदारी थी और गगन गौड़ा ने स्कोर बराबर करने की पूरी कोशिश की।

# साल 2024 में भी बड़ी उपलब्धि से चूक गया यूपीसीए

एजेंसी

**कानपुर। सा**ल 2024 के अब गिनती के दिन बचे हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) बड़ी उपलब्धि से एक बार फिर चूक गया। वहीं प्रदेश क्रिकेट संघ ने इससे बुरे दिन अपनी स्थापना से भी नही देखें होंगे जब पदाधिकारियों के बीच ही हाथा-पायी और गाली-गलौज की नौबत आयी हो। यही नहीं कई खिलाड़ियों ने चयन प्रक्रिया पर आरोप लगाए तो घायल महिला खिलाड़ी को टीम में शामिल करने का कारनामा भी इसी साल देखने को मिला। अगर देखा जाए तो जूनियर स्तर की टीमों के प्रदर्शन को ही थोड़ा सफला माना जाएगा। इस बीते साल में प्रदेश क्रिकेट संघ में एक ट्राफी को छोड़कर केवल बदनामियों का अम्बार ही ट्राफियों के रुप में संघ के कार्यालय में जमा होता गया। इसके अलावा क्रिकेट में कुछ अधिक उपलब्धि संघ की कोई भी टीम नहीं पा सकी, जबकि संघ के भीतर मचे घमासान के चलते कई मामले पुलिस की दहलीज तक अवश्य ही पहुंच गए। यही नहीं जो पुलिस कभी प्रदेश संघ के कार्यालय केवल मैचों के पास लेने के लिए आते जाते रहे, वहीं अब मामलों की जांच के लिए फाइलों को अपने साथ ले जाने के लिए विवश रहे। इसके अलावा साल के जाते-जाते प्रदेश के सितारा खिलाड़ी अंकित राजपूत ने क्रिकेट से सन्यास की घोषणा कर संघ की चयन प्रक्रिया को आईना दिखाने का काम कर डाला। प्रदेश क्रिकेट संघ अपने पुराने ढर्रे में ही गतिविधियों को अंजाम देने में मशगूल दिखायी दे रहा है। मुख्य प्रशिक्षक की सुनील जोशी की वापसी पर लाखों रुपए खर्च करने वाले संघ की सीनियर टीम भी किसी प्रकार की चैम्पियन बनने के आसपास नहीं पहुंच सकी।

यूपीसीए के सूत्र बतातें हैं कि सुनील जोशी पर संघ के आलाअधिकारी के साथ ही कई सदस्यों की मेहरबानी के चलते उन्हे दोबारा टीम से जोड़ा गया है। हालांकि क्रिकेट में बुरी दशा संघ के लिए कोई नई बात नहीं है, कई सालों से ऐसा होता चला आ रहा है। अब तो क्रिकेट की कमान भी ऐसे लोगों के हाथ में दे दी गयी है जिन पर वर्तमान पदाधिकारियों ने भ्रष्टाचार का आरोप लगवाकर हटवा दिया था। अगर 2021 के अपवाद को छोड़ दिया जाए जिसमें यूपी की टीम विजय हजारे एक दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता में मुम्बई से खिताबी मुकाबले में पराजित हो गयी थी। लेकिन इस बार टीम वहां तक भी नहीं पहुंच सकी और बदनामी अलग मोल ले ली। इस बार संघ के भीतर मचा घमासान छीछालेदर तक पहुंच चुका है जो इससे पहले शायद ही कभी पहुंचा हो। अब तो इस बार महिला क्रिकेट से जुड़ी पदाधिकारी और कर्मचारी भी एक दूसरे के कपड़े फाड़ने पर उतारु हो गयीं जो क्रिकेट जगत में संघ की बदनामी के लिए विशेष तौर पर पहचाना गया।

साल का सबसे अधिक रोमाचंक किस्सा संघ के पूर्व सचिव और वर्तमान सचिव के बीच लखनऊ में विवाद रहा। जहां दोनों ने एक दूसरे को मां बहन तक सेंक डाली। सुपर एजेन्टों की पोल भी खुलकर देखने को मिली जिससे यह भी साबित हो गया कि खिलाड़ियों की चयन प्रक्रिया में कई सालों से धांधली बरकरार है। यही नहीं संघ के भीतर चल रहे घमासान में दो पूर्व सचिवों के वरदहस्त सुपर सेलक्टर और उनके एजेन्ट भी प्रभावी ढंग से कार्य करते रहे, जिसका खामियाजा टीम में बेहतरीन खिलाड़ियों की आमद न के बराबर रही। दिल्ली? और हरियाणा और उससे सटे प्रान्तों से क्रिकेटरों का आयातित किया जाना भी ये साल यूपीसीए के लिए खासा पहचाने जाने वाला साल साबित हो गया। हांलाकि अभी भी कुछ मामले कहीं पुलिस तो कहीं राजभवन के साथ ही न्यायालय के दरवाजों पर खड़े हैं, जो वक्त का इन्तजार कर रहें हैं। क्रिकेट जगत के लोग यह आशा जता रहे हैं कि साल 2025 यूपीसीए के साथ ही प्रदेश के क्रिकेटरों के लिए आशा से भरा साल हो और संघ की पुरानी छवि एक बार फिर से लौट आए।

## सरकार ने हिंडाल्को इंडस्ट्रीज को कोयला खदान के लिए आवंटन आदेश जारी किया

एजेंसी

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड को ओडिशा स्थित कोयला खदान के लिए आवंटन आदेश जारी किया है। मीनाक्षी कोयला खदान के लिए यह आदेश जारी किया गया है, जिसकी अधिकतम रेटिंग क्षमता 12 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) है। कोयला मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड को मीनाक्षी कोयला खदान के लिए आदेश जारी किया गया है। यह 22 नवंबर, 2024 को कोयला खदान विकास और उत्पादन समझौते (सीएमडीपीए) पर हस्ताक्षर करने के बाद हुआ है। मंत्रालय के मुताबिक मीनाक्षी कोयला खदान, खान और खनिज विकास एवं विनियमन अधिनियम (एमएमडीआर) के तहत खोजी गई खदान है, जिसकी अधिकतम रेटिंग क्षमता (पीआरसी) 12.00 एमटीपीए है, जिसमें 285.23 एमटी का भूवैज्ञानिक भंडार शामिल हैं। मंत्रालय ने बताया कि मीनाक्षी कोयला खदान से इसकी अधिकतम क्षमता के आधार पर 1,152.84 करोड़ रूपये का वार्षिक राजस्व उत्पन्न होने की संभावना है। यह खदान 1,800 करोड़ रुपये के अनुमानित पूंजी निवेश के साथ देश के कोयला उत्पादन को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगी और ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ करने में योगदान देगी।

## अर्थूड सर्विसेज ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष डीआरएचपी दाखिल किया

**मुंबई/नई दिल्ली।** गुरुग्राम स्थित सेवा कंपनी अर्थूड सर्विसेज लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक अर्थूड सर्विसेज लिमिटेड के 10 रुपये अंकित मूल्य वाले इस आईपीओ में 36 लाख इक्विटी शेयरों तक का नया इश्यू और प्रमोटर-सेलिंग शेयरधारकों के 42 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव शामिल है। कंपनी के बिक्री प्रस्ताव में शेयरधारक डॉ. कविराज सिंह के 27.30 लाख इक्विटी शेयर और अशोक कुमार गौतम के 14.70 लाख इक्विटी शेयर हैं। गुरुग्राम स्थित सेवा कंपनी अर्थूड सर्विसेज लिमिटेड के आईपीओ प्रस्ताव में बोली लगाने वाले पात्र कर्मचारियों को छूट दी जा रही है। इस नए निर्गम से प्राप्त 30 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग कंपनी बौद्धिक संपदा, समाधानों के विकास एवं व्यावसायीकरण और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के माध्यम से तकनीकी क्षमताओं को मजबूत तथा वित्तपोषण आवश्यकताओं के लिए करेगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2012 में स्थापित और डॉ. कविराज सिंह और अशोक कुमार गौतम द्वारा प्रवर्तित अर्थूड सर्विसेज लिमिटेड कंपनी को ऊर्जा, पर्यावरण तथा जलवायु परिवर्तन क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल है। कंपनी के पास 23 वर्षों का अनुभव है। यह कंपनी भारत तथा अंतराष्ट्रीय स्तर पर ग्राहकों को पर्यावरण, सामाजिक तथा शासन रामर्श तथा आश्वासन सेवाएं प्रदान करती है।

## डॉ. अरुणीश चावला ने संभाला वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग में सचिव पद

**नई दिल्ली।** वरिष्ठ आईएएस डॉ. अरुणीश चावला ने वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के सचिव पद का कार्यभार संभाल लिया। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने बुधवार को एक अधिसूचना में डॉ. अरुणीश चावला को राजस्व सचिव नियुक्त किया। अधिसूचना के अनुसार नियमित पदाधिकारी की नियुक्ति होने तक वह संस्कृति मंत्रालय के सचिव का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगे। चावला 1 नवंबर, 2023 से रसायन और उर्वरक मंत्रालय में फार्मास्यूटिकल्स विभाग में सचिव के रूप में कार्यरत हैं। बिहार कैडर के 1992 बैच के आईएएस अधिकारी चावला ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने पटना मेट्रो रेल परियोजना के प्रबंध निदेशक के रूप में कार्य किया है। वे आर्थिक मामलों के विभाग के माध्यम से विदेशी कार्यभार पर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में वरिष्ठ अर्थशास्त्री, वाशिंगटन डीसी में भारतीय दूतावास में मंत्री (आर्थिक) और वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग में संयुक्त सचिव के रूप में भी कार्य किया है।

## ओसामु सान की वजह से लाखों लोग बेहतर जीवन जी रहे हैं : भार्गव

**नयी दिल्ली।** यात्री वाहन बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष आर सी भार्गव ने कंपनी के मानद अध्यक्ष ओसामु सुजुकी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुये आज कहा कि इस देश में हममें से लाखों लोग ओसामु सान की वजह से बेहतर जीवन जी रहे हैं। श्री भार्गव ने यहां जारी बयान में कहा मुझे अत्यंत व्यक्तिगत दुख के साथ ओसामु सुजुकी सान के निधन की खबर मिली है। उनकी दूरदर्शिता और दूरदर्शिता, ऐसा जोखिम उठाने की उनकी इच्छा, जिसे कोई और नहीं उठाने को तैयार था, भारत के प्रति उनके गहरे और अडिग प्रेम और एक शिक्षक के रूप में उनकी अपार क्षमताओं के बिना, मेरा मानना है कि भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग वह शक्तिशाली देश नहीं बन सकता था, जो वह बन गया है। उन्होंने कई प्रधानमंत्रियों का विश्वास जीता और उनका आनंद लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी बहुत करीबी समझ थी। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में ओसामु सान के योगदान और भारत और जापान के बीच पुल बनाने के लिए उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। देश में उनके असंख्य प्रशंसक और लाभार्थी उन्हें याद करेंगे।

# राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड की 42वीं वार्षिक आम बैठक संपन्न

एजेंसी

**नई दिल्ली।** सार्वजनिक क्षेत्र की नवरत्न कंपनी राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड की 42वीं वार्षिक आम बैठक विशाखापत्तनम स्थित कार्यालय में संपन्न हो गई। आरआईएनएल के अध्यक्ष सह-प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) अजीत कुमार सक्सेना ने बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में इस्पात मंत्रालय की निदेशक सुदर्शन मेंदीरत्ता ने राष्ट्रपति की अधिकृत नामित सदस्य के तौर पर भाग लिया।

इस्पात मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि आरआईएनएल के कंपनी मामलों के विभाग ने इस बैठक की कार्यवाही समन्वित की। इस अवसर पर अजीत कुमार सक्सेना ने आरआईएनएल/वीएसपी के शेयरधारकों को संबोधित किया और कंपनी की स्थिति की जानकारी

दी। उन्होंने अपने संबोधन में कंपनी के प्रदर्शन की समीक्षा की और वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान उठाए गए कदमों का उल्लेख किया। उन्होंने अपने संबोधन में उत्पादन उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए वित?त वर्ष 2023-24 के दौरान आई चुनौतियों की जानकारी दी। सक्सेना ने सभी हितधारकों, विशेषकर इस्पात मंत्रालय और भारत सरकार के अन्य मंत्रालयों, आंध्रप्रदेश सरकार, आपूर्तिकर्ताओं (घरेलू और विदेशी), ग्राहकों, सहायक इकाइयों, बैंकरों, जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन और विभिन्न अन्य एजेंसियों का कंपनी के प्रति भरोसा जताने पर आभार व्यक्त किया और भविष्य में उनके निरंतर सहयोग की अपेक्षा की। राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड की वार्षिक आम बैठक में निदेशक (परियोजनाएं) एवं अपर प्रभार निदेशक (संचालन) अरुण कांति बागची, निदेशक (कार्मिक) सुरेश चंद्र पांडे, निदेशक (वित्त) एसआरवीजीके गणेश, निदेशक (वाणिज्यिक) जीवीएन प्रसाद और सरकार के निदेशक डॉ. संजय रॉय ने भाग लिया।

## लगातार तीसरे हफ्ते देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 644.39 अरब डॉलर पर

एजेंसी

**मुंबई/नई दिल्ली।** विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार तीसरे हफ्ते गिरावट आई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 20 दिसंबर को समाप्त हफ्ते में 8.48 अरब डॉलर घटकर 644.39 अरब डॉलर पर आ गया है। इससे पिछले हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार 1.99 अरब डॉलर घटकर छह महीने के निचले स्तर 652.87 अरब डॉलर पर आ गया था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के जारी आंकड़ों में बताया गया है कि 20 दिसंबर को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 6.01 अरब डॉलर घटकर 556.56 अरब डॉलर रह गईं। इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 2.33 अरब डॉलर घटकर 65.73 अरब डॉलर रह गया। आंकड़ों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 2.3 करोड़ डॉलर घटकर 4.22 अरब डॉलर रहा है। इससे पहले सितंबर, 2024 के अंत में देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 704.88 अरब अमेरिकी डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

## सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी कीमत

एजेंसी

**नई दिल्ली।** घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार दूसरे दिन तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। सोना आज 250 से 280 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। सोने के भाव में तेजी आने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 77,880 रुपये से लेकर 77,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 71,400 रुपये से लेकर 71,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी आज मामूली तेजी आई है। इस तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 91,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 77,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24

कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,800 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 77,730 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,250 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 77,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

## आरबीआई ने प्रीपेड कार्ड से तीसरे पक्ष वाले ऐप के जरिए यूपीआई भुगतान की मंजूरी दी

एजेंसी

**मुंबई/नई दिल्ली।** रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने थर्ड पार्टी एप्लीकेशन के जरिए प्रीपेड भुगतान उपकरणों (पीपीआई) के लिए एकीकृत भुगतान प्रणाली (यूपीआई) एक्सेस की अनुमति दे दी है। इससे गिफ्ट कार्ड, मेट्रो रेल कार्ड और डिजिटल वॉलेट जैसे प्रीपेड उत्पाद धारकों को ज?यादा सुविधा होगी।

आरबीआई ने जारी परिपत्र में कहा है कि तीसरे पक्ष वाले यूपीआई ऐप के जरिए पूर्ण-केवाईसी वाले प्रीपेड भुगतान उपकरणों से यूपीआई के जरिए भुगतान को सक्षम बनाने का निर्णय लिया गया है। इसी तरह पीपीआई को यूपीआई भुगतान पाने की भी मंजूरी दी गई है। इस तरह के लेन-देन को यूपीआई प्रणाली तक पहुंचने से पहले पूर्व-अनुमोदित किया जाएगा। रिजर्व बैंक के मुताबिक एक पीपीआई जारीकर्ता अपने ग्राहक को यूपीआई हैंडल से जोड़कर केवल अपने पूर्ण-केवाईसी वाले पीपीआई धारकों को यूपीआई के जरिए भुगतान करने में सक्षम करेगा। जारीकर्ता के एप्लिकेशन पर पीपीआई से यूपीआई लेन-देन

ग्राहक के मौजूदा पीपीआई पहचान का उपयोग करके प्रमाणित किया जाएगा।

आरबीआई ने कहा कि भुगतान प्रणाली प्रदाता के रूप में पीपीआई जारीकर्ता को किसी भी बैंक या किसी अन्य पीपीआई जारीकर्ता के ग्राहकों को अपने साथ नहीं जोड़ना चाहिए। उल्लेखनीय है कि पीपीआई ऐसे उपकरण हैं जो वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद, वित्तीय सेवाओं के संचालन और उसमें संग्रहीत मूल्य के विरुद्ध धनप्रेषण की सुविधाओं को सक्षम करते हैं। वहीं, यूपीआई भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम द्वारा मोबाइल फोन के जरिए अंतर-बैंक लेन-देन की सुविधा के लिए विकसित एक त्वरित वास्तविक समय पर भुगतान की प्रणाली है।

## केंद्र ने डॉ. संदीप शाह को एनएबीएल-क्यूसीआई का अध्यक्ष नियुक्त किया

एजेंसी

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने प्रख्यात चिकित्सा पेशेवर डॉ. संदीप शाह को भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) के एक घटक बोर्ड, राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) का अध्यक्ष नियुक्त किया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि डॉ. संदीप शाह को क्यूसीआई के एक घटक बोर्ड, राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। डॉ. शाह इस पद पर प्रो. सुब्बाना अय्यप्पन की जगह लेंगे। एनएबीएल परीक्षण और अंशशोधन सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए काम करता है, जिससे उपभोक्ताओं, व्यवसायों और नियामकों द्वारा उपयोग किए जाने वाले उत्पादों और सेवाओं में विश्वास सुनिश्चित होता है। उल्लेखनीय है कि भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) भारत सरकार के द्वारा स्थापित एक प्रमुख स्वायत्त निकाय है। क्यूसीआई गुणवत्ता के प्रति मानसिकता बनाने के लिए जिम्मेदार है, जो हर नागरिक को प्रभावित करने वाले उत्पादों और सेवाओं में गुणवत्ता सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखता है।

## शेयर बाजार में लिस्टिंग के जरिए 6 कंपनियों की एंट्री, ममता मशीनरी के शेयरों से निवेशकों को जबरदस्त मुनाफा

एजेंसी

**नई दिल्ली।** घरेलू शेयर बाजार में आज 6 कंपनियों ने लिस्टिंग के जरिए दस्तक दी। इनमें 5 कंपनियां के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही बढ़िया मुनाफा हुआ, वहीं एक कंपनी न्यू मलयालम स्टील लिमिटेड के निवेशकों को नुकसान का सामना भी करना पड़ा। आज लिस्ट होने वाली कंपनियों में से 5 मेनबोर्ड सेगमेंट की हैं, जबकि एक कंपनी एसएमई सेगमेंट की है। स्टॉक मार्केट में लिस्ट होने वाली कंपनियों में ममता मशीनरी लिमिटेड के शेयरों की आज स्टॉक मार्केट में धांसू एंट्री हुई, जिसके कारण पहले दिन ही आईपीओ निवेशकों का पैसा बढ़ कर ढाई गुना से अधिक हो गया। आईपीओ के तहत कंपनी ने 243 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर 146.91 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 600 रुपये के भाव

पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी ही देर में ये शेयर उछल कर 630 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों पहले दिन ही 159.24 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। प्लास्टिक बैग और पाउच के लिए मशीनरी बनाने वाली कंपनी ममता मशीनरी का 179.39 करोड़ रुपये का आईपीओ 19 से 23 दिसंबर तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। कंपनी के आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिससे ये ओवरऑल 194.95 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 235.88 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 274.38 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 138.08 गुना और कर्मचारियों के लिए रिजर्व पोर्शन 153.27 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 73,82,340 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत बेचे गए हैं। इसमें कोई भी नया शेयर जारी नहीं किया गया है।आज ही इंजीनियरिंग और कंस्ट्रक्शन का काम करने वाली ट्रांसरेल लाइटिंग के शेयरों की भी घरेलू शेयर बाजार में जोरदार एंट्री हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद कंपनी के शेयरों में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से पूरे दिन इसके भाव में उतार-चढ़ाव होता रहा। आईपीओ के तहत कंपनी ने 432 रुपये के भाव पर शेयर जारी किया था। आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर इसकी 585.15 के भाव पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर 590 रुपये के भाव पर लिस्टिंग हुई।

# ग्रामीण और शहरी एम पी सी आई क्रमश: 4122 रुपए और 6996 रुपए

एजेंसी

**नई दिल्ली।** ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में वर्ष 2023-24 में औसत मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय (एमपीसीई) क्रमशः 4,122 रुपये और 6,996 रुपये रहने का अनुमान है, जिसमें विभिन्न सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के माध्यम से परिवारों को प्राप्त हुई निःशुल्क वस्तुओं के मूल्यों को शामिल नहीं किया गया है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने कोविड-19 महामारी के बाद स्थिति सामान्य होने पर वर्ष 2022-23 और 2023-24 के दौरान घरेलू उपभोग व्यय पर दो सर्वेक्षण किए है। पहला सर्वेक्षण अगस्त 2022 से जुलाई 2023 की अवधि के दौरान किया गया था और दूसरे सर्वेक्षण पूरे देश में अगस्त 2023 से जुलाई 2024 के दौरान किया गया था। घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण- 2023-24 (एचसीईएस-2023-24) के परिणाम राज्य और व्यापक मद समूह स्तर पर तैयार किए गए हैं और उन्हें आज जारी किया गया।इसमें कहा गया है कि विभिन्न सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के माध्यम से निःशुल्क प्राप्त वस्तुओं के अनुमानित मूल्य पर विचार करते हुए, ये अनुमान ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए 4,247 रुपये और 7,078 रुपये हैं। एमपीसीई के अनुसार भारत की ग्रामीण आबादी के सबसे निचले 5 प्रतिशत वर्ग का औसत एमपीसीई 1,677 रुपये है, जबकि शहरी क्षेत्रों में इसी वर्ग की आबादी के लिए यह 2,376 रुपये है। एमपीसीई द्वारा क्रमबद्ध भारत की ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की निचली 5 से 10 प्रतिशत आबादी के लिए अधिकतम रही है। गैर-खाद्य वस्तुएं औसत एमपीसीई 10,137 रुपये और 20,310 रुपये है। नॉमिनल कीमतों में, वर्ष 2023-24 में औसत एमपीसीई (बिना निर्धारण के) 2022-23 के स्तर से ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 9 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 8 प्रतिशत अधिक है।शहरी-ग्रामीण एमपीसीई में अंतर 2011-12 में 84 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 71 प्रतिशत रह गया है। यह 2023-24 में और घटकर 70 प्रतिशत रह गया है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोग की गति की पुष्टि करता है। इसमें कहा गया है कि एमपीसीई के आधार पर रैंकिंग करने पर, 2022-23 के स्तर से 2023-24 में औसत एमपीसीई में वृद्धि भारत की ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों की निचली 5 से 10 प्रतिशत आबादी के लिए अधिकतम रही है। गैर-खाद्य वस्तुएं 2023-24 में घरेलू औसत मासिक व्यय में प्रमुख बनी रहेंगी, जिनकी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में एमपीसीई में लगभग 53 प्रतिशत और 60 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्रामीण और शहरी परिवारों की खाद्य वस्तुओं में पेय पदार्थ, जलपान और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का 2023-24 में भी प्रमुख व्यय हिस्सा बना रहेगा।परिवहन , कपड़े, बिस्तर और जूते, विभिन्न प्रकार के सामान और मनोरंजन तथा टिकाऊ वस्तुओं पर ग्रामीण और शहरी परिवारों के गैर-खाद्य व्यय का बड़ा हिस्सा खर्च होता है।मकान किराया, गैराज किराया और होटल आवास शुल्क सहित किराया, जिसकी हिस्सेदारी लगभग 7 प्रतिशत है, शहरी परिवारों के गैर-खाद्य व्यय का एक अन्य प्रमुख घटक है।

## जे एस डब्ल्यू करेगी ओ 2 पवार के 4696 मेगावाट प्लेटफार्म का अधिग्रहण

एजेंसी

**नई दिल्ली।** जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने कहा कि उसकी इकाई जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी लिमिटेड (जेएसडब्ल्यू नियो) ओ2 पावर पूलिंग पीटीई लिमिटेड (ओ2 पावर) से 12,468 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर 4,696 मेगावाट अक्षय ऊर्जा प्लेटफॉर्म का अधिग्रहण करेगी। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इस सौदे में ओ2 पावर मिडको होल्डिंग्स पीटीई लिमिटेड और ओ2 एनर्जी एसजी पीटीई लिमिटेड का अधिग्रहण शामिल है और यह भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की मंजूरी और इस सौदे के लिए अन्य प्रथागत मंजूरी मानक के अधीन है। बयान के मुताबिक, जेएसडब्ल्यू एनर्जी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी (जेएसडब्ल्यू नियो) ने ईक्यूटी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड टेमासेक द्वारा संयुक्त रूप से स्थापित प्लेटफॉर्म ओ2 पावर से 4,696 मेगावाट अक्षय ऊर्जा (आरई) प्लेटफॉर्म का अधिग्रहण ह्व2 पावर एक अक्षय ऊर्जा

प्लेटफॉर्म है जिसकी क्षमता 4,696 मेगावाट है - जिसमें से 2,259 मेगावाट जून 2025 तक चालू हो जाएगा, 1,463 मेगावाट वर्तमान में निर्माणाधीन है, और 974 मेगावाट पाइपलाइन में हैं। सभी को जून 2027 तक चालू करने की योजना है। इस प्लेटफॉर्म का मिश्रित औसत टैरिफ 3.37 रुपये प्रति किलोवाट घंटा है और इसका शेष जीवन 23 वर्ष है। यह क्षमता देश के सात राज्यों में फैली हुई है। इस अधिग्रहण से कंपनी की लॉक-इन उत्पादन क्षमता 23 प्रतिशत बढ़कर 20,012 मेगावाट से 24,708 मेगावाट हो जाएगी। जेएसडब्ल्यू एनर्जी के संयुक्त प्रबंध निदेशक और सीईओ शरद महेंद्र ने बयान में कहा, यह ऐतिहासिक अधिग्रहण भारत के ऊर्जा क्षेत्र में एक अग्रणी खिलाड़ी के रूप में हमारी स्थिति को मजबूत करता है।

## अडानी कोचीन शिपयार्ड से 450 करोड़ रुपये में लेगा आठ रस्सा पोत

**नयी दिल्ली।** अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड (एपीएसईज़ेड) नेकहा कि उसने सरकारी विनिर्माण कंपनी कोचीन शिपयार्ड को कुल 450 करोड़ रुपये के आठ टग ( रस्सा जहाज) के ऑर्डर दिए हैं। टग या रस्सा पोत बंदरगाहों पर बड़े जहाजों को खींच कर लाने-निकालने के काम आते हैं। एपीएसईज़ेड ने एक बयान में कहा, यह पहल स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देकर और समुद्री क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाकर सरकार की मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहल के अनुरूप है। अडानी समूह बंदरगाह परिचालन के कारोबार में निजी क्षेत्र का सबसे बड़ा परिचालक है।कंपनी के अनुसार उसे इन रस्सा जहाजों की डिलीवरी अगले साल दिसंबर से शुरू होने और मई 2028 तक जारी रहने की उम्मीद है। कंपनी ने कहा है कि कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड से पोत खरीद के लिए यह सहयोग भारत में समुद्री बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है और हमारे देश के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) में उसके विश्वास को प्रदर्शित करता है। एपीएसईजेड के पूर्णकालिक निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अश्विनी गुप्ता ने कहा, स्थानीय विनिर्माण क्षमताओं का लाभ उठाकर, जो विश्व स्तरीय हैं।

# आखिरी दिन के कारोबार में शेयर बाजार में तेजी, मजबूती के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

**नई दिल्ली।** सप्ताह के आखिरी कारोबार दिन आज घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के थोड़ी देर बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में जोरदार तेजी आई हुई नजर आई। हालांकि पहले घंटे का कारोबार होने के बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक ऊपरी स्तर से फिसल गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.29 प्रतिशत और निफ्टी 0.27 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही। इसके साथ ही बैंकिंग, आईटी, एफएमसीजी, हेल्थकेयर और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर रियल्टी, इंफ्रास्ट्रक्चर और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। इसके साथ ही पीएसई, ऑयल एंड गैस, मेटल, कंज्यूमर ड्यूरेबल और कैपिटल गुड्स इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.08 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 442.39 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 442.01 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 38 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,081 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,944 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,024 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 113 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,501 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,268 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,233 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर बढ़त के साथ और 10 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 29 शेयर हरे निशान में और 21 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 135.14 अंक की मजबूती के साथ 78,607.62 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के थोड़ी देर बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने की वजह से इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से सुबह 10:30 बजे के करीब ये सूचकांक 570.67 अंक की मजबूती के साथ 79,043.15 अंक तक पहुंच गया, लेकिन इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई। मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली का दबाव बनने की वजह से ये सूचकांक लगातार नीचे गिरता चला गया।

## बस और ट्रेलर ट्रक की टक्कर , आठ की मौत

एजेंसी

**वाशिंगटन ।** पूर्वी मेक्सिको में एक यात्री बस और सेमी-ट्रेलर ट्रक के बीच टक्कर हो गई, जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई और 27 अन्य घायल हो गए। वेराक्रूज राज्य अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने बताया कि यह हादसा वेराक्रूज राज्य के लॉस मोलिनोस के पास पेरोटे-जालापा राजमार्ग पर हुआ। इस हादसे में तीन पुरुषों, चार महिलाओं और एक बच्चे की मौत हो गई।इसमें बताया गया है कि जालपा क्षेत्रीय अभियोजक के कार्यालय ने हादसे का कारण पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, एडीओ बस मेक्सिको सिटी-जलापा मार्ग पर जा रही थी। ऐसा लगता है कि बस चालक सेमी-ट्रेलर को देख नहीं पाया, जिसके कारण टक्कर हो गई। वेराक्रूज की गवर्नर रोशियो नहले ने सोशल मीडिया पर बताया कि राज्य सरकार दुर्घटना से प्रभावित यात्रियों और उनके परिवारों की मदद के लिए संघीय सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह दुखद हादसा पश्चिमी राज्य मिचोआकेन में हुई एक और दुर्घटना के अगले दिन हुआ, जिसमें कम से कम छह लोगों की मौत हो गई थी। एक और घटना में पश्चिमी मैक्सिको के मिचोआकेन राज्य में एक दुर्घटना में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए, जैसा कि स्थानीय प्रशासन ने बताया।

## भारत की 'आर्थिक प्रगति' को आकार देने में मनमोहन सिंह की थी 'महत्वपूर्ण भूमिका' : गुटेरेस

**संयुक्त राष्ट्र ।** संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन से दुखी हैं, सिंह ने देश की 'आर्थिक प्रगति' को आकार देने में 'महत्वपूर्ण भूमिका' निभाई थी। यह बात उनकी सहयोगी प्रवक्ता स्टेफनी ट्रेम्बले ने कही। उन्होंने एक बयान में कहा, 'महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को डॉ. मनमोहन सिंह के निधन की खबर सुनकर दुख हुआ।' बयान में कहा गया कि उन्होंने भारत के इतिहास में विशेषकर इसकी आर्थिक प्रगति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 2004 से 2014 तक प्रधानमंत्री के रूप में मनमोहन सिंह ने भारत में महत्वपूर्ण आर्थिक वृद्धि और विकास की अवधि का पर्यवेक्षण किया। इसमें कहा गया है, उनके नेतृत्व में भारत ने संयुक्त राष्ट्र के साथ अपने सहयोग को भी मजबूत किया तथा वैश्विक पहलों और साझेदारियों में सक्रिय योगदान दिया। मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री के रूप में अपने 10 वर्षों के दौरान गुटेरेस के दो पूर्ववर्तियों कोफी अन्नान और बान की मून के साथ सहयोग किया तथा न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के साथ-साथ अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उनसे मुलाकात की। मनमोहन सिंह ने संयुक्त राष्ट्र महासभा को पांच बार संबोधित किया। गरीबी उन्मूलन के लिए सतत विकास के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन से लड़ना भी संयुक्त राष्ट्र के एजेंडे में शीर्ष स्थान पर रहा है।

## जर्मन राष्ट्रपति ने भंग की संसद, फरवरी में होंगे चुनाव

**बर्लिन।** जर्मन राष्ट्रपति फ्रैंक-वाल्टर स्टीनमीयर ने संसद के निचले सदन बुंडेस्टैग को भंग कर दिया। इससे समय से पहले संघीय चुनाव का रास्ता साफ हो गया। स्टीनमीयर ने बर्लिन में घोषणा की कि प्रमुख राजनीतिक दलों द्वारा पूर्व में की गई सहमति के अनुसार, 23 फरवरी को त्वरित चुनाव होंगे। स्टीनमीयर ने इस बात पर जोर दिया कि इन चुनौतीपूर्ण समय में विश्वसनीय संसदीय बहुमत वाली सक्षम सरकार की आवश्यकता है। समाचार एजेंसी अनुसार, उन्होंने कहा कि देश के हित के लिए नए चुनाव उचित कदम हैं। 16 दिसंबर को जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ बुंडेस्टाग में विश्वास मत हार गए। इस कदम ने स्कोल्ज़ की अल्पसंख्यक गठबंधन सरकार को भंग कर दिया और एक ऐसी प्रक्रिया शुरू कर दी, जिसके कारण समय से पहले संघीय चुनाव हुए। विश्वास मत में 207 संसद सदस्यों ने स्कोल्ज़ पर विश्वास व्यक्त किया, 394 ने उनके खिलाफ मतदान किया तथा 116 ने मतदान में भाग नहीं लिया।

## पूर्व राष्ट्रपति की गिरफ्तारी पर वरिष्ठ अधिकारी ने कहा - सही समय का कर रहे इंतजार

**ला पाज (बोलीविया)।** दक्षिण अमेरिकी देश बोलीविया के पूर्व राष्ट्रपति इवो मोरालेस को जल्दी ही गिरफ्तार किया जा सकता है। यह जानकारी देश के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी। देश के समन्वय एवं सरकारी प्रबंधन उप मंत्री गुस्तावो टोरिको ने इस विषय पर जानकारी देते हुए कहा, हमें सही समय का इंतजार करना होगा। कार्रवाई की जाएगी। निर्दोष लोगों के जीवन को जोखिम में डाले बिना गिरफ्तारी वारंट का पालन कराया जाएगा। पूर्व राष्ट्रपति अब देश के कोचाबम्बा विभाग के चापारे में लॉयल सोशल मूवमेंट द्वारा संरक्षित इलाके में रह रहे हैं। क्रिसमस के रात्रिभोज के दौरान, उन्होंने अपने समर्थकों को धन्यवाद दिया। साथ ही उन्होंने अपनी गिरफ़्तारी के प्रयास को राजनीतिक उत्पीड़न बताया। बता दें कि बोलीवियाई सरकार में मंत्री ने एक बयान में बताया कि इससे पहले 19 दिसंबर को बोलीविया के अभियोजन पक्ष ने मोरेलेस के खिलाफ मानव तस्करी के आरोप में एक इमिग्रेशन अलर्ट जारी करने की मांग की थी। पूर्व राष्ट्रपति पर आरोप लगाया गया है कि वे 2006 से 2019 तक राष्ट्रपति रहने के दौरान 2015 में एक बलात्कार की जांच से जुड़े मानव तस्करी के मामले में शामिल थे। वर्तमान में जारी जांच में उनके खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया गया था।

# सीरिया में अपदस्थ राष्ट्रपति असद के समर्थकों की धरपकड़ तेज

एजेंसी

**दमिश्क।** सीरिया से भागकर रूस में शरण लेने वाले अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल-असद के समर्थक नेताओं और अधिकारियों की धरपकड़ का अभियान आज शुरू किया गया। सीरिया में नियंत्रण पा चुके हयात तहरीर अल-शाम के सदस्य इस अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। इन लोगों के हाथ में सीरिया के सैन्य विभाग की कमान है। इस अभियान के दौरान झड़पों के बाद कई लोगों को गिरफ्तार किया गया। अरबी न्यूज वेबसाइट '963+' ने सूत्रों के हवाले से कहा कि सैन्य विभाग ने अपदस्थ राष्ट्रपति के समर्थकों और अधिकारियों को पकड़ने के लिए आज देश के लताकिया गवर्नरेट में व्यापक अभियान शुरू किया। इस दौरान लताकिया के मस्तराखू गांव में इन लोगों के साथ झड़पें हुई हैं। इसके बाद लताकिया के ग्रामीण इलाके में स्थित हमीमिम बेस के आसपास चौकियां स्थापित की गईं। इस बेस के

आसापस रूसी सुरक्षाबल पहले से मौजूद हैं। सैन्य विभाग ने होम्स, टार्टस और सफिता में अपना ढांचा मजबूत किया है। उत्तर-पश्चिमी हामा ग्रामीण इलाके के हलफया शहर से अपदस्थ शासन के दर्जनों समर्थकों को गिरफ्तार किया है। देश के पूर्व में स्थित दीर एज-जोर के ग्रामीण इलाके में सीरियाई-इराकी सीमा पर अल्बुकामल शहर में सैन्य विभाग के लड़ाकों की ईरान समर्थक 47वीं रेजिमेंट के आतंकियों के बीच झड़पें हुई हैं। इसमें दो आतंकी घायल हो गए। छह को गिरफ्तार कर लिया गया। इस दौरान मशीनगन और गोला-बारूद जब्त किया गया। अल्बुकमल देहात के सुकारिया शहर में ईरान समर्थक इस रेजिमेंट का एक हथियार डिपो भी मिला है। इस अभियान के दौरान दीर एज-जोर के पूर्वी ग्रामीण इलाके के अल-अशरा शहर में ईरान समर्थक गुटों के चार सदस्यों को भी गिरफ्तार किया गया। इनमें अंतर अल-अहमद उर्फ अबू अल-गैदा भी है। डेर एज-जोर के पूर्वी ग्रामीण इलाके के अल-मयादीन शहर से कई लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें हमजा अल-ओलायन और अहमद अल-खलौफ प्रमुख हैं। इससे पहले मसयाफ शहर और कुदसाया से अपदस्थ शासन के 80 से अधिक अधिकारियों और सदस्यों को गिरफ्तार किया गया।

## बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी का फासीवाद विरोधी दलों से एक होने का आह्वान

एजेंसी

**ढाका।** बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी के अमीर डॉ. शफीकुर रहमान ने आज सुबह मुक्ति संग्राम की भावना के साथ आजादी के लिए लड़ रहे युवाओं की आकांक्षाओं से प्रेरित एक नया बांग्लादेश बनाने के लिए सभी फासीवाद विरोधी राजनीतिक दलों के बीच एकता का आह्वान किया। उन्होंने यह तकरीर राजधानी के सुहरावर्दी उद्यान में आयोजित खिलाफत मजलिश के 12वें जनरल काउंसिल सत्र में की।

ढाका ट्रिब्यून समाचार पत्र के अनुसार, डॉ. रहमान ने बांग्लादेश में लोकतंत्र की स्थापना के लिए सामूहिक कार्रवाई के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, बांग्लादेश 2024 के मुक्ति संग्राम में भाग लेने वाले युवाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप आगे बढ़ेगा। नए बांग्लादेश में सभी फासीवाद विरोधी राजनीतिक दल एकजुट होंगे। जमात प्रमुख ने अफसोस जताते हुए कहा, पिछले डेढ़ दशक में मुल्क के इस्लामी विद्वानों को अभूतपूर्व स्तर पर अन्याय और प्रतिशोध का शिकार होना पड़ा है। खिलाफत मजलिश में विभिन्न इस्लामी राजनीतिक संगठनों के नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।

## काठमांडू में सेंट जोसेफ हाईस्कूल का नया नाम होगा गुरुकुलम, 20 विद्यालयों के नाम बदले गए

एजेंसी

**काठमांडू।** काठमांडू के मेयर बालेन शाह के विदेशी नाम वाले स्कूलों के नाम बदलने के सालभर पुराने आदेश पर अमल शुरू हो गया। काठमांडू महानगर पालिका ने 20 स्कूलों के स्वदेशी नाम रखने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। नए शैक्षिक सत्र से इन विद्यालयों को परिवर्तित नामों से जाना जाएगा। प्रस्ताव के अनुसार, सेंट जोसेफ हाईस्कूल को गुरुकुलम, सेंट लुईस स्कूल को विद्या सदन, कोलंबस इंटरनेशनल को मेधाश्री, सन साइन इंग्लिश बोर्डिंग को सूर्य किरण विद्यालय, इंटरनल लाइट को वेदश्री विद्यालय, किंग्स जॉर्ज को संपदा विद्यालय, न्यू नालेज स्कूल को नवज्ञान विद्यालय, सेंट टॉडलार्स को समर्पण विद्या सदन, डिवाइन वर्ल्ड इंटरनेशनल को दिव्य ज्ञान विद्या सदन,हार्मोनी मांटेसरी को कल्पवृक्ष शिक्षा सदन, गोल्डन गार्डन स्कूल को

स्वर्णिम वाटिका और हार्टलैंड स्कूल को हृदय निकेतन के नाम से जाना जाएगा। काठमांडू महानगर पालिका ने बाकी स्कूलों को 35 दिन का समय दिया है। मेयर शाह का कहना है कि अगर इन स्कूलों ने इस अवधि में नाम परिवर्तन की प्रक्रिया पूरी नहीं की तो अगले शैक्षिक सत्र से उनकी मान्यता रद्द कर दी जाएगी।

# दक्षिण कोरिया में राजनीतिक संकट और गहराया, कार्यवाहक राष्ट्रपति के खिलाफ भी महाभियोग प्रस्ताव पारित

एजेंसी

**सियोल।** दक्षिण कोरिया में राजनीतिक संकट और गहरा गया। राष्ट्रपति यून सुक येओल की तरह कुछ दिन पहले कार्यवाहक राष्ट्रपति बनाए गए सत्तारूढ़ पार्टी के प्रधानमंत्री हान डक-सू के खिलाफ नेशनल असेंबली ने महाभियोग प्रस्ताव पारित कर दिया। इस तरह प्रधानमंत्री हान को दो सप्ताह से कम समय में सत्ता से बाहर कर दिया गया। कोरिया के संसदीय इतिहास में पहली बार है कि राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री (सरकारी पदानुक्रम में शीर्ष दो पद) दोनों को उनके कर्तव्यों से निलंबित कर दिया गया। द कोरिया टाइम्स समाचार पत्र के अनुसार तीन सौ सदस्यों वाली नेशनल असेंबली में 192 सदस्यों वाली मुख्य विपक्षी दल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ कोरिया

(डीपीके) ने कल हान के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश किया था। आज नेशनल असेंबली में उस पर मतदान हुआ। 108 सदस्यों वाली सत्तारूढ़ पीपुल्स पावर पार्टी (पीपीपी) ने मतदान का बहिष्कार किया। उन्होंने स्पीकर पर मनमानी करने का आरोप लगाया। अब संवैधानिक न्यायालय के पास यह तय करने के लिए 180 दिन हैं कि हान के महाभियोग को बरकरार रखा जाए या नहीं। महाभियोग पारित होने के बाद अब उप प्रधानमंत्री चोई सांग-मोक को अंतरिम नेतृत्व संभालना होगा। वह देश के वित्तमंत्री भी हैं। महाभियोग प्रस्ताव पारित होने के बाद हान ने कहा, मैं नेशनल असेंबली के फैसले का सम्मान करता हूं। मैं संवैधानिक न्यायालय के फैसले का इंतजार करूंगा। प्रधानमंत्री हान ने कार्यवाहक राष्ट्रपति की हैसियत से संवैधानिक न्यायालय के तीन न्यायाधीशों की नियुक्ति को मंजूरी देने से इनकार कर दिया था। इससे नाराज मुख्य विपक्षी दल ने उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश किया। यह पूरा विवाद येओल की अल्पकालिक मार्शल लॉ घोषणा से जुड़ा हुआ है।

# पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में नौ आतंकवादी मारे गए

एजेंसी

**इस्लामाबाद।** खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के पहाड़ी क्षेत्र उत्तर और दक्षिण वजीरिस्तान में सुरक्षाबलों ने रात को मुठभेड़ में नौ आतंकवादियों को मार गिराया। सात आतंकवादियों के घायल होने का अंदेशा जताया गया है। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत का पहाड़ी क्षेत्र मनरा आतंकवादियों का सबसे बड़ा गढ़ है। सुरक्षा बलों ने यहां आतंकवादियों के छुपने के महत्वपूर्ण स्थान को विस्फोट कर उड़ा दिया।

डॉन समाचार पत्र की खबर में सूत्रों के हवाले से कहा गया कि यह मुठभेड़ मीर अली तहसील के बरहो खेल इलाके में हुई। सुरक्षाबलों को खुफिया इनपुट मिला था कि लगभग 25 आतंकवादी छुपे हुए हैं। सुरक्षाबलों ने इस स्थान को घेरकर उन्हें ललकारा। इसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। मारे गए आतंकवादियों में कमांडर अब्दुल हक और मोईन भी हैं। घटनास्थल से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। इस मुठभेड़ के बारे में पूछने पर सेना की मीडिया शाखा इंटर सर्विसेज

पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने कहा कि आधिकारिक बयान तैयार किया जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने गुरुवार रात दक्षिण वजीरिस्तान की बौरमल तहसील में किए गए दो हमलों में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया। रात करीब 10 बजे किए गए हमलों में मनरा इलाके में आतंकवादियों के एक ठिकाने (घर) को विस्फोट कर उड़ा दिया गया। मनरा में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादी घूमते रहते हैं।

# पाकिस्तान सेना की आईएसपीआर ने अलापा कश्मीर राग

एजेंसी

**रावलपिंडी।** पाकिस्तान की संघीय सरकार के नक्श-ए-कदम पर चलते हुए उसकी सेना की जनसंपर्क शाखा 'इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस' (आईएसपीआर) ने भी अब कश्मीर का राग अलापना शुरू कर दिया है। पहले की तरह उसने इसके लिए भारत पर बेबुनियाद आरोप लगाते हुए कहा कि पाकिस्तान हर मंच पर कश्मीर का मुद्दा उठाता रहेगा। आईएसपीआर के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने आज संवाददाता सम्मेलन में मुल्क में जारी आतंकवाद विरोधी अभियान की सफलता की चर्चा करते हुए लगे हाथ भारत का जिक्र करना नहीं भूले। उन्होंने क्षेत्रीय तनाव पर चर्चा की। चौधरी ने कहा कि भारत के किसी भी आक्रमण का मुकाबला करने के लिए पाकिस्तान की सेना की पूरी तैयारी है। उन्होंने भारत के जम्मू-कश्मीर में कश्मीरियों के उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए उसकी निंदा

की। उन्होंने कहा कि भारत ने कश्मीर को हिंसा का केंद्र बना दिया है। वहां अंतरराष्ट्रीय कानूनों का घोर उल्लंघन हो रहा है। पाकिस्तान कश्मीर के लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है। उन्हें कानूनी, राजनयिक और नैतिक समर्थन प्रदान करना जारी रखेगा। आईएसपीआर मुख्यालय में हुए इस संवाददाता सम्मेलन में महानिदेशक चौधरी ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ सशस्त्र बलों को पिछले पांच वर्ष की तुलना में इस वर्ष सबसे अधिक सफलता मिली है। आतंकवादियों के खिलाफ 59,779 से अधिक खुफिया-आधारित ऑपरेशन चलाए गए। इस दौरान 925 आतंकवादी मारे गए। चौधरी ने कहा कि पाकिस्तान की सेना और पुलिस आतंकवादियों के खिलाफ प्रतिदिन 169 से अधिक अभियान चला रही है।

# अमेरिका में बेघरों की रिकॉर्ड संख्या, सड़कों पर रात गुजारने को मजबूर लाखों लोग

एजेंसी

**न्यूयॉर्क ।** संयुक्त राज्य अमेरिका में आवास संकट गहरा गया है। संघीय आंकड़ों के अनुसार, 2024 में बेघरों की संख्या सबसे अधिक रही। जारी अमेरिकी आवास और शहरी विकास विभाग (एचयूडी) की रिपोर्ट की मानें तो जनवरी 2024 में एक रात में बेघरों की संख्या 7,71,480 थी जो 2023 से 18.1 फीसदी ज्यादा है।

समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इलिनोइस, हवाई और अन्य राज्यों में बेघरों की संख्या मं सबसे अधिक वृद्धि हुई। इन जगहों पर किफायती घरों की चुनौती और प्रवासियों की संख्या बढ़ने के कारण स्थिति और बिगड़ी है। एचयूडी डाटा के अनुसार, इलिनोइस में बेघर लोगों की संख्या 116.2 प्रतिशत बढ़ी, जिससे इसकी बेघर आबादी 25,832 हो गई। शिकागो क्षेत्र में इस वृद्धि का 91 प्रतिशत हिस्सा

प्रवासियों की वजह से था। रिपोर्ट के मुताबिक, शिकागो में आपातकालीन आश्रयों में 13,600 से अधिक प्रवासी और शरणार्थी थे। हवाई में बेघरों की संख्या में 87 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जिससे बेघर लोगों की तादाद 11,637 हो गई। माउई में लगी आग के कारण 5,200 से अधिक लोग आपातकालीन आश्रयों में रह रहे थे। मैसाचुसेट्स में 53.4 प्रतिशत और न्यूयॉर्क में 53.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। न्यूयॉर्क में यह वृद्धि मुख्य रूप से शरण चाहने वालों की वजह से थी, जो बेघरों का लगभग 88 प्रतिशत थे। एचयूडी सचिव एड्रिएन टॉडमैन ने कहा, किसी भी अमेरिकी को बेघर नहीं होना चाहिए।

उन्होंने बेघर होने की समस्या को खत्म करने के लिए ठोस प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। कोलोराडो में बेघर होने की संख्या 29.6 प्रतिशत बढ़ी और राज्य में 18,715 लोग बेघर थे। कैलिफोर्निया में देश के बेघर लोगों का लगभग चौथाई हिस्सा है, जहां 187,084 लोग बेघर हैं, और यहां 3.1 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। हालांकि, लॉस एंजिल्स में बेघर होने की संख्या में केवल 5 प्रतिशत की कमी आई है, इसके बावजूद यहां बेघर लोगों के लिए आवास का संकट बरकरार है।

## बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार ने दिया मतदाता की न्यूनतम आयु 17 वर्ष करने का सुझाव

एजेंसी

**ढाका।** बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस ने आज सुझाव दिया कि मतदाता की न्यूनतम आयु 17 वर्ष होनी चाहिए। उन्होंने यह सुझाव फोरम फॉर बांग्लादेश स्टडीज के चुनाव संवाद कार्यक्रम के लिए भेजे वीडियो संदेश में दिया। उन्होंने कहा, युवाओं को देश के भविष्य पर राय देने का पूरा अधिकार है। इसलिए देश में मतदान की उम्र 17 साल तय की जानी चाहिए। बांग्लादेश में मतदान करने की न्यूनतम उम्र 18 साल और चुनाव लड़ने की आयु 25 साल है। प्रोफेसर यूनुस ने उम्मीद जताई कि चुनाव सुधार आयोग उनकी सिफारिश पर गौर करेगा। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में युवाओं की संख्या बहुत अधिक है। युवा देश के भविष्य के निर्माण में रुचि रखते हैं। मुख्य सलाहकार ने कहा, मुझे नहीं पता कि चुनाव सुधार आयोग क्या सिफारिश करेगा, लेकिन अगर देश के अधिकांश लोगों को आयोग द्वारा

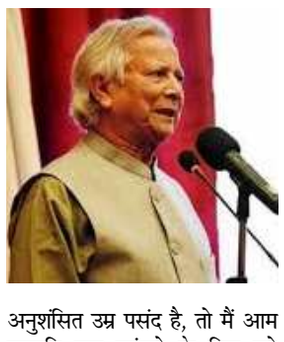

अनुशंसित उम्र पसंद है, तो मैं आम सहमति तक पहुंचने के लिए इसे स्वीकार करूंगा। उन्होंने कहा कि अंतरिम सरकार ने देश के लिए 15 सुधार आयोगों का गठन किया है। यह सभी आयोग जनवरी में अपनी रिपोर्ट सौंपेंगे। अंतरिम सरकार की कोशिश है कि देश चुनाव की राह पर आगे बढ़ सके। प्रोफेसर यूनुस ने कहा कि यह प्रत्येक नागरिक, राजनीतिक दल, प्रत्येक सामाजिक, आर्थिक, व्यापारिक और धार्मिक समुदाय की जिम्मेदारी है कि वे सुधार प्रक्रिया में खुशी के साथ भाग लें। मुख्य सलाहकार ने कहा कि यह अनिवार्य नहीं है कि सभी को आयोगों की सिफारिशें माननी होंगी। इसीलिए राष्ट्रीय सहमति निर्माण आयोग का भी गठन किया गया है। फासीवाद के खिलाफ लंबे संघर्ष में हिस्सा लेने वाले सभी योद्धाओं को याद करते हुए उन्होंने कहा, मैं विशेष रूप से उन छात्रों को सलाम करता हूं जो जुलाई के सामूहिक विद्रोह में शहीद हो गए। राष्ट्र नए बांग्लादेश के निर्माण में उनकी प्रेरणा और योगदान को कभी नहीं भूलेगा।

## ड्रग्स तस्करी नेटवर्क का भंड़ाफोड़ , तीन गिरफ्तार

एजेंसी

**ट्यूनिस ।** ट्यूनिशियाई सुरक्षा बलों ने उत्तर-पश्चिमी प्रांत सिलियाना में सक्रिय ड्रग्स तस्करी नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया। इस मामले में तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। ट्यूनिशियाई राष्ट्रीय गार्ड ने अपने फेसबुक पेज पर यह जानकारी दी। आधिकारिक जानकारी में बताया गया कि गिरफ्तार लोगों में एक महिला भी शामिल है, हालांकि ऑपरेशन के समय या संदिग्धों की पहचान का उल्लेख नहीं किया गया। नेशनल गार्ड यूनिट्स ने सिलियाना के रूहिया शहर में आपराधिक नेटवर्क को निशाना बनाया। ऑपरेशन के दौरान बड़ी मात्रा में नशीली गोलियां, धारदार औजार और कैश जब्त किए गए। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मामले की समीक्षा करने के बाद, सरकारी अभियोजन पक्ष ने जांच लंबित रहने तक उन्हें हिरासत में रखने की अनुमति दी। इससे पहले 26 दिसंबर को सुरक्षा बलों ने राजधानी ट्यूनिस में एक्टिव एक ड्रग तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया था । इस दौरान 3.5 किलोग्राम कोकीन जब्त की गई थी। ट्यूनीशियाई नेशनल गार्ड के मुताबिक नेशनल गार्ड यूनिट्स ने ऐन जघौआन के पड़ोस में सक्रिय आपराधिक नेटवर्क को निशाना बनाया, हालांकि उन्होंने ऑपरेशन के विवरण या गिरफ्तारियों की संख्या के बारे में विस्तार से नहीं बताया। इस अभियान के बाद ट्यूनिस में एक घर के बाहर खड़ी एक अपंजीकृत कार को जब्त किया गया।

# डॉ मनमोहन सिंह ने रखी 'संपन्न भारत-यूके साझेदारी' की नींव : ब्रिटेन के विदेश मंत्री

एजेंसी

**लंदन ।** ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने 'संपन्न भारत-ब्रिटेन साझेदारी की नींव' रखी। लैमी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, डॉ. मनमोहन सिंह के साहसिक आर्थिक सुधारों ने भारत की अर्थव्यवस्था को बदल दिया। उनकी विरासत आधुनिक भारत को आकार दे रही है और उनके विजन ने आज के संपन्न यूके-भारत साझेदारी की नींव रखी। उनके परिवार और भारतीय लोगों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। दुनिया भर के नेताओं और राज्य प्रमुखों ने मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया है। इससे पहले, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक जताया। उन्होंने ने डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व की तारीफ की। ब्लिंकन ने कहा कि उन्होंने भारत में आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ाने, अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अमेरिका-भारत असैन्य परमाणु सहयोग समझौते सहित अमेरिका और भारत को करीब लाने के लिए उनके समर्पण को हमेशा याद रखा जाएगा। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पूर्व प्रधानमंत्री को एक उत्कृष्ट राजनेता बताया, जिन्होंने भारत के आर्थिक विकास और इसके वैश्विक हितों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा और विदेश मंत्री ताकेशी इवाया ने पूर्व प्रधानमंत्री को उनके प्रयासों के लिए याद किया, जिन्होंने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के विकास के लिए नींव तैयार की।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने भी पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर शोक व्यक्त किया है। एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में मैक्रों ने कहा, डॉ. मनमोहन सिंह के रूप में भारत ने एक महान शख्स और फ्रांस ने एक सच्चा मित्र खो दिया। उन्होंने अपना जीवन अपने देश के लिए समर्पित कर दिया। हमारी संवेदनाएं उनके परिवार और भारत के लोगों के साथ हैं।

रामचंद्र पौडेल ने एक्स पर लिखा, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन से हम बहुत दुखी हैं। डॉ. सिंह भारत के एक दूरदर्शी नेता थे। मैं भारत सरकार और भारत के लोगों तथा शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना और संवेदना व्यक्त करता हूं। पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह का गुरुवार को निधन हो गया। वो 92 साल के थे। उन्हें गुरुवार की शाम तबीयत बिगड़ने पर दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान यानी एम्स में भर्ती कराया गया था। मनमोहन सिंह लगातार दो कार्यकाल के लिए, 22 मई 2004 से 26 मई 2014 तक देश के प्रधानमंत्री रहे। नब्बे के दशक की शुरुआती में दम तोड़ती भारतीय अर्थव्यवस्था को वित्त मंत्री के रूप में डॉ सिंह ने आर्थिक सुधारों के जरिए नया जीवन दिया। उन्हें भारत में आर्थिक सुधारों का जनक माना जाता है।

## बर्फबारी के बाद मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गांदरबल अस्पताल में सुविधाओं का निरीक्षण किया

**गांदरबल 28 दिसंबर।** कश्मीर घाटी में भारी बर्फबारी के बाद मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गांदरबल जिला अस्पताल का दौरा किया और खराब मौसम के दौरान मरीजों को उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं का आकलन किया।

दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने अस्पताल की विभिन्न इकाइयों का निरीक्षण किया और आवश्यक दवाओं की उपलब्धता, ड्यूटी पर मौजूद कर्मचारियों और केंद्रीय हीटिंग सिस्टम की कार्यक्षमता की समीक्षा की।

चिकित्सा अधीक्षक ने मरीजों की देखभाल सुनिश्चित करने के लिए अस्पताल की तैयारियों के बारे में मुख्यमंत्री को जानकारी दी और पुष्टि की कि केंद्रीय हीटिंग सिस्टम पूरी तरह से चालू है।

हालांकि, उन्होंने जिले में चिकित्सा कर्मचारियों और एम्बुलेंस की कमी जैसी चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला।

इसके जवाब में सीएम उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर में स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाने और जनता की जरूरतों को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण कमियों को दूर करने के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

उन्होंने आश्वासन दिया कि अस्पताल प्रशासन द्वारा उठाए गए मुद्दों को हल करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिया कि वे चिकित्सा एवं पैरामेडिकल स्टाफ के लिए ड्यूटी रोस्टर का सख्ती से पालन करें, ताकि मरीजों को असुविधा से बचाने के लिए निर्बाध सेवाएं सुनिश्चित की जा सकें।

दौरे के दौरान उनके साथ उनके सलाहकार नासिर असलम वानी और अन्य संबंधित अधिकारी भी थे।

## उपमुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया

**जम्मू 28 दिसंबर।** उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया, जिसमें उद्योग एवं वाणिज्य, सिकॉप,

जेके खनिज, भूविज्ञान खनन, हस्तशिल्प विभाग शामिल थे।

उन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग बिक्रम चौक जम्मू का भी निरीक्षण किया।

अधिकारियों के साथ बातचीत करते हुए उन्होंने सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न विकासात्मक पहलों को तेजी से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि उन्हें यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि वितरण तंत्र में भी तेजी लाई जाए ताकि लोगों को किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े।

उन्होंने कहा, हमें आम जनता के लिए उपलब्ध होना चाहिए ताकि हम अधिकतम पहुंच बना सकें, जिससे विभिन्न पहलों का जरूरत के हिसाब से और उचित कार्यान्वयन सुनिश्चित हो सके।

## उपायुक्त रामबन ने बर्फबारी के बीच सेवाओं की शीघ्र बहाली सुनिश्चित की

**रामबन 28 दिसंबर।** उपायुक्त रामबन बसीर-उल-हक चौधरी जिले में हाल ही में हुई बर्फबारी के बाद आवश्यक सेवाओं की बहाली की व्यक्तिगत रूप से निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया है कि वे व्यवधानों को कम करने और पूरे जिले में जन सुविधा सुनिश्चित करने के लिए तुरंत

कार्रवाई करें।

एनएच-44 और लिंक सड़कों पर कनेक्टिविटी बनाए रखने के लिए एनएचएआई, पीडब्ल्यूडी, पीएमजीएसवाई और अन्य विभागों के नेतृत्व में बर्फहटाने का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। इन ऑपरेशनों के दौरान सड़क सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है।

इसके अतिरिक्त, जेपीडीसीएल की टीमें बाधित बिजली आपूर्ति को सक्रिय रूप से बहाल कर रही हैं, उपायुक्त समय पर परिणाम सुनिश्चित करने के लिए प्रगति की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं।

प्रशासनिक दक्षता के एक उल्लेखनीय उदाहरण में, मुनीरा बेगम, पत्नी वसीम अहमद, निवासी पोगल के परिवार ने डीसी रामबन और प्रशासन को उनकी त्वरित सहायता के लिए गहरा आभार व्यक्त किया। समय पर सड़क साफहोने और एम्बुलेंस की व्यवस्था के कारण

उन्हें चिकित्सा देखभाल के लिए पीएचसी उखराल में सुरक्षित और शीघ्र पहुंचने में मदद मिली।

स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे निवासियों की भलाई हेतु, विशेष रूप से दूरदराज और बर्फसे प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता दें।

जिला प्रशासन मौसम से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने और जनता को आवश्यक सेवाओं की निर्बाध डिलीवरी सुनिश्चित करने में सक्रिय है।

# रबी फसलों में जल प्रबन्धन उपयोग एवं महत्व

जल प्रबन्धन के लिए आवश्यक है की फसल को सही समय पर सही मात्रा में एवं सही तरिके से सिंचाई की जाएं। उचित समय पर आवश्यकतानुसार पानी नहीं देने पर एवं आवश्यकता से अधिक पानी देने पर भूमि की भौतिक दशा खराब हो जाती है तथा उत्पादन भी कम मिलता है।

फसल में सिंचाई करते समय फसल अवस्था, भूमि में नमी मात्रा, भूमि से नमी के वाष्पीकरण की स्थिति एवं पौधों में जल की मात्रा को ध्यान में रखना चाहिए। फस्ल की बढ़वार के अनुसार जल की आवश्यकता बदलती रहती है। सिमित पानी उपलब्ध होने पर फसल की क्रांतिक अवस्थाओं पर सिंचाई करनी चाहिए। सिंचाई से दिया गया पानी पौधे के उत्तक निर्माण व वाष्पोसर्जन में काम आता है।जब तक पौधे को जल उपलब्ध होता हैं तब तक पौधों की बढ़वार होती रहती है अन्यथा वृद्धि रुक जाती है तथा अंत में पौधे मर जाते है।

### ⏩ खेतों की गहरी जुताई करें

जहाँ तक सम्भव हो सके गर्मियों में तवेदार हेरो या एम.बी. प्लाऊ से खेतों की गहरी जुताई अवश्य करे। यदि खरीफ में, रबी हेतु खेतों को पड़त रखा हो तो उचित नमी पर खेतों की जुताई करते रहें व प्रत्येक जुताई के बाद पाटा लगावे, जिससे खरपतवार नष्ट हो जाते हैं, रन्ध्राकांश बढ़ता हैं, मृदा की भौतिक दशा में सुधार होता हैं और प्रति इकाई मृदा आयतन में अधिक जल संरक्षित होता हैं इसके लाभदायक प्रभाव से रबी फसल के अंकुरण तथा पौधों की वृद्धि अच्छी होती हैं।

### ⏩ कार्बनिक खादों का प्रयोग करें

कार्बनिक खाद जैसे गोबर की खाद, कम्पोस व वर्मीकम्पोस्ट खाद का प्रयोग खरीफ फसलों से पहले करें। यदि रबी फसलों में इनका प्रयोग करना हो तो खेत की जुताई के समय, बुवाई के लगभग 20-25 दिन पूर्व प्रयोग करें व जुताई कर भूमि में अच्छी तरह मिला देवें। जैविक खादों के प्रयोग से मृदा की भौतिक, रासायनिक व जैविक दशा सुधरेगी जिससे भूमि, उपलब्ध जल की मात्रा को अधिक समय तक भंडारित कर सकती हैं।

### ⏩ उपयुक्त सिंचाई विधि अपनाएं

ज्यादातर कृषक फसलों में परम्परागत तरिके से खेतों में सीधे ही पानी देते हैं जिससे पानी का असमान वितरण होता हैं, साथ ही पानी की अधिक आवश्यकता होती हैं और सिंचाई में समय भी ज्यादा लगता हैं व कई बार लवणीयता की भी समस्या हो जाती हैं। सिंचाई विधियों का चयन मुख्यतया जल की उपलब्धता, मिट्टी के प्रकार, फसल आदि कारणों को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए।

### भूमि समतलीकरण

खेत को समतल रखें तथा हल्की ढाल देवें जिससे सिंचाई एक समान लगेगी, सिंचाई में कम समय लगेगा व मृदा का कटाव भी कम होगा। असमतल खेत में कहीं पानी भरा रह जाएगा और कहीं पानी नहीं पहुंचेगा। इसलिए जहाँ पर पानी भर गया वहां पर फसल पीली पड़ने का डर और जहाँ पर पानी नहीं पहुंचा वहां सूखा रहने का डर ।

### खेतों में समोच्चरेखीय मेड़े बनाना

यदि लम्बे ढाल वाले खेतों को समोच्चरेखीय मेड़ो द्वारा बांध दिया जाए और प्रत्येक भाग को खेत में रोक दे तो भूमि का कटाव नियंत्रित होने के साथ-साथ अधिक उपयोग हो सकेगा। यदि समान्तर मेड़ो को उचित दुरी पर बनाया जाए तो इनका सदुपयोग सिंचाई देने में भी किया जा सकता है विशेषत - खरीफ फसलों में।

**पर्याप्त पानी की उपलब्धता की स्थिति में**

बॉर्डर या मेड, पट्टी, कुंड विधि से सिंचाई करें। नहरी तंत्र में 5-8 मीटर चौड़ी और ढलान के अनुसार लम्बाई की क्यारियां बनाकर सिंचाई करें तथा क्यारी 80% पानी से भर जाये तब हमे क्यारी में पानी को रोक देना चाहिए शेष 20त्न भाग स्वत: ही भर जायेगा। ऐसा करने से पानी की बचत भी होगी और क्यारी के अंत में ज्यादा पानी भरने की संभावना भी कम हो जायेगी।

इस प्रकार हम प्रत्येक क्यारी में 20त्न पानी बचाकर इस पानी को टेल तक पहुंचा सकते हैं अन्यथा यह पानी व्यर्थ ही बहकर या तो ड्रेन में चला जायेगा या क्यारी में ज्यादा पानी होने पर फसल पिली पड़ जायेगी। अक्सर देखा जाता हैं की नहरी तंत्र में टेल तक पानी पहुँचता ही नहीं या फिर बहुत कम पहुँचता हैं, जिससे किसान सही समय पर फसल को पानी नहीं दे पाता और उसको आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता हैं।

### ⏩ अपर्याप्त पानी होने पर

फव्वारा, बूंद-बूंद सिंचाई काम में लेवे जिससे कम पानी से अधिकतम उत्पादन लिया जा सके।

### ⏩ फसलों की जल उपयोगिता दक्षता बढ़ाना

वर्तमान परिदृश्य में प्रति इकाई जल से अधिकाधिक उपज प्राप्त करना एक महत्वपूर्ण पहलू हैं। फसलों की जल उपयोग(जल प्रबन्धन) दक्षता को बढ़ाने के लिए विभिन्न शस्य क्रियाओं का समन्वित प्रयोग करना चाहिए।

### ⏩ फसलों का चयन

जलवायु क्षेत्र एवं जल उपलब्धता के अनुसार फसलों का चयन करें। भिन्न-भिन्न फसलों की जल मांग अलग-अलग होती हैं। अत: उपलब्ध जल एवं उसकी फसल मांग के अनुसार फसल का चयन करना काफी लाभदायक सिद्ध होता हैं। उदाहरणार्थ- नहर के नजदीकी खेतों में अधिक जल मांग वाली फसलें-गेहूँ, गन्ना, आलू व सब्जिया तथा दूरस्थ खेतों में कम जल मांग वाली फसलें- सरसों, चना, मसूर, धनिया, अलसी आदि फसलें लें।

### ⏩ अधिक उपज देने वाली किस्मों को बोये

विभिन्न फसलों की तरह ही एक ही फसल की अलग-अलग किस्मों की जल मांग भी अलग-अलग हो सकती हैं। उन्नत किस्में पानी का दक्षतापूर्व उपयोग करती है। वर्षा आधारित क्षेत्रों हेतु अल्पावधि की किस्मों का चयन करें साथ ही किस्में कीट एवं रोग से प्रतिरोधी भी होनी चाहिए।

### ⏩ खेत की तैयारी

खरीफ फसलों को शीघ्र खेतों से हटाकर खलियान में दाल दें तथा तुरंत आवश्यक जुताई कर शीघ्र पाटा लगा देवे। इससे नमी संरक्षित रहेगी और यदि हो सके तो बुवाई भी सांयकाल के समय करें इससे बोये गये बीज को रात्रि में अधिक नमी प्राप्त हो सकेगी और अंकुरण अच्छा होगा।

### ⏩ सामयिक बुवाई

जहां तक हो सकें, फसलों को उचित समय पर बोये। इससे फसल द्वारा संरक्षित नमी का उपयोग अच्छा होगा एवं उनकी वानस्पतिक वृद्धि भी अच्छी होगी।

जैसे की समय पर बोई गई सरसों में मोयला का प्रकोप नहीं होता और अंकुरण भी अच्छा होता हैं।

### ⏩ संतुलित उर्वरक प्रयोग

संतुलित उर्वरक प्रयोग से पौधों द्वारा जल(जल प्रबन्धन) उपयोग में वृद्धि के साथ उपज में भी वृद्धि होती हैं फलस्वरूप उर्वरक जल उपयोग दक्षता बढ़ाने में सहायता करते हैं। मिट्टी परीक्षण अवश्य करवाएं और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी हो तो उनका भी प्रयोग अवश्य करें।

### ⏩ खरपतवारों को नियंत्रित रखे

खरपतवार फसलों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से सबसे ज्यादा हानि पहुंचाते हैं। ये उपलब्ध जल एवं पोषक तत्वों का हास्य कर फसलों को उपलब्ध नहीं होने देते हैं। अत: समय-समय पर समुचित विधियों द्वारा इनका नियंत्रण अवश्य करें।

### ⏩ खरपतवारों द्वारा नमी संरक्षण ( इन सिटू मल्चिंग )

यदि हो सकें तो निराई-गुड़ाई द्वारा खरपतवारों को नियंत्रित करें।

सिंचाई के बाद, भूमि गुड़ाई करने से जमीन से पानी उड़ने की प्रकिया काफी कम हो जाती हैं, क्योंकि ऊपरी परत टूटने से केपलरी क्रिया भी कम हो जाती हैं। निराई-गुड़ाई द्वारा निकाले गये खरपतवारों को खेत से बाहर न फेंके। यदि उनमे फूल न बने हो तो, फसल की दो कतारों के मध्य खरपतवारों को फैला देवें जिससे यह मल्च का कार्य करेंगे और नमी संरक्षण में सहायक होंगे तथा बाद में सड़कर भूमि में जीवाश्म की मात्रा बढ़ाने में भी सहायक होंगे।

अत: किसान भाई उचित जल प्रबन्धन विधियाँ को अपनाकर पानी का सदुपयोग करते हुए रबी की फसलों में सिंचाई करके उत्पादन को बढ़ा सकते

(courtesy: shouttermouth.com)

### भूमि में पर्याप्त नमी की जानकारी

भूमि में पर्याप्त नमी की जानकारी हेतु मुट्ठी में मिट्टी को बंद कर गोला बनाए तथा गोले को थोड़ा ऊपर उछाल कर हाथ में झेलें। यदि गोला टूट जाता है तो नमी कम है और यदि गोला बिना टूटे उसी आकर में रहता है तो प्रयाप्त नमी की निशानी है।

### ⏩ रबी फसलों में जल प्रबन्धन

जल प्रबन्धन को मुख्यत दो भागों में विभक्त किया जा सकता है।

1. मृदा जल भण्डारण क्षमता बढ़ाना
2. फसलों में जल उपयोग क्षमता बढ़ाना

### ⏩ मृदा जल भण्डारण क्षमता बढ़ाना

फसल के मूल क्षेत्र में सिंचाई द्वारा अथवा वर्षा जल का अधिकतम एवं लम्बे समय तक भण्डारण एवं धारण रखना मृदा जल भण्डारण क्षमता बढ़ाना है। इसके लिए जल एकसार वितरण एवं मृदा जल संचयन शक्ति में वृद्धि समुचित तरीके अपनाकर प्राप्त की जा सकती है।

मृदा जल भण्डारण कुशलता निम्न तरीकों से जा सकती है

# आधुनिक तकनीक द्वारा पौध तैयार करने के लाभ

बड़े शहरों के उपभोक्ताओं की मांग को ध्यान में रखते हुए अब समय आ गया है कि शहरी क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाली सब्जियों का उत्पादन किया जाये जिसके लिए संरक्षित कृषि एक कारगर व आकर्षक विकल्प है। संरक्षित खेती द्वारा इन क्षेत्रों में खेती करने वाले किसान उच्च गुणवत्ता वाली सब्जियों को लम्बी अवधि तक उगाकर तथा सब्जियों, फूलों तथा स्ट्राबेरी जैसे फूलों की बेमौसमी खेती करके बड़े शहरों में उपलब्ध उच्च बाजारों से अधिक लाभ कमा सकते हैं।

### आधुनिक तकनीक द्वारा पौध तैयार करने के लाभ

1. आधुनिक तकनीक द्वारा पौध को कम समय में तैयार किया जा सकता है तथा खासकर सर्दी के मौसम में जहाँ बाहर खुले वातावरण में क्यारियों में टमाटर जैसी फसल की पौध तैयार करने में 50 से 60 दिन लगते हैं। इस तकनीक द्वारा केवल 28 से 30 दिन में स्वस्थ व उच्च गुणवत्ता वाली पौध तैयार हो जाती हैं।
2. बीज की मात्रा को भी काफी कम किया जा सकता है क्योंकि इस विधि द्वारा प्रत्येक बीज को अलग-अलग छेदों में बोया जाता है जिससे प्रत्येक बीज स्वस्थ पौध देता है।
3. पौध को समस्त प्रकार के भू-जनित रोगों व कीटाणुओं से बचाया जा सकता है तथा सबसे महत्वपूर्ण यह है कि पौध को विषाणु रोगों के प्रकोप से बचाया जा सकता है।
4. जब पौध बाहर क्यारियों में तैयार की जाती है तो पौध को उखाड़ते समय जड़ आदि टूटने से पौधों की मरण क्षमता लगभग 10 से 15 प्रतिशत रहती है। लेकिन इस तकनीक द्वारा तैयार पौध में एक भी पौध के मरने की संभावना नहीं रहती है। इससे पौध को रोपक झटका भी नहीं लगता है।
5. पौध मे जड़ें अधिक विकसित व लम्बी होती है जिसके कारण पौध अधिक व उच्च ओज वाली होती है
6. इस प्रकार तैयार पौध मुख्य खेत में रोपाई के बाद बहुत कम समय में स्थापित हो जाती है जब कि बाहर तैयार की गयी पौध को मुख्य खेत में स्थापित होने में कई दिन लग जाते हैं।
7. इस प्रकार संरक्षित पौध तैयार करने की तकनीक द्वारा किसी भी सब्जी फसल की पौध को कभी भी तैयार किया जा सकता है। खासकर मौसम से पहले फसल उगाने हेतु ताकि बेमौसमी सब्जी उत्पादन द्वारा अधिक लाभ कमाया जा सके।

कद्दूवर्गीय सब्जियों की पौध को भी इस विधि द्वारा बड़ी सरलतापूर्वक तैयार किया जाता है जो पहले भूमि में क्यारियों में सम्भव नहीं होता था।

8. इस प्रकार की पौध अधिक गुणवत्ता वाली होती है जिससे अधिक उत्पादन लिया जा सकता है।
9. इस प्रकार तैयार पौध को सही प्रकार से पैकिंग के बाद काफी दूर ऐसी जगह तक भेजा जा सकता है, जहाँ इसे उस मौसम में तैयार करना संभव न हो या फिर ऐसी तकनीक उपलब्ध न हो।
10. सब्जियों में संकर किस्मों के बीज बहुत महँगे होने के कारण यह तकनीक किसी भी प्राकृतिक नुकसान से बचाने में पूर्णतया सक्षम है।
11. इस विधि द्वारा पौध की बढ़वार को पूर्णरुप से नियंत्रित किया जा सकता है।
12. यदि किसी बीज लाट में अंकुरण की क्षमता तो है लेकिन ओज कम है तो भी इस विधि द्वारा ऐसे बीज से स्वस्थ पौध तैयार करना सम्भव है।
13. इस विधि में कम खाद व पानी की आवश्यकता होती है।
14. इस विधि में पौध की बढ़वार को एक समान बनाया जाता है ताकि मुख्य खेत में रोपाई के बाद भी फसल की बढ़वार एक समान हो।
15. सब्जियों की संरक्षित खेती हेतु पौध तैयार करने की यह आवश्यक व एक मात्र विधि है।

दिल्ली के शहरी क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि यमुना नदी काफी बड़े भू:भाग को घेरे हुए है। यमुना नदी प्रदूषक की वजह से लगभग एक गन्दे नाले के स्वरुप में परिवर्तित हो गयी है। ऐसी परिस्थिति में हमें शहरी कृषि के लिए गन्दे नालों व ऐसे दूषित जल क्षेत्रों को भी शामिल कर लेना चाहिए। दूषित व गन्दे जलीय क्षेत्रों पर विभिन्न प्रकार की ताजी सब्जियों का उत्पादन किया जा रहा है जो शहरी क्षेत्र में इन सब्जियों के उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य पर विपरीत असर डाल रहे हैं।

## देश के अन्य शहरी क्षेत्रों में ढूंढे गए हैं कई विकल्प

दिल्ली के आसपास के क्षेत्रों में गन्दे नालों के पानी के उपयोग द्वारा लगभग 3750-5000 हेक्टेयर भूमि पर ताजी सब्जियाँ का उत्पादन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त जयपुर, मुम्बई व कोलकता जैसे शहरों के चारों ओर गन्दे नालों के दूषित जल से सिंचित होने वाली भूमि का क्षेत्रफल लगभग क्रमश 480-600 हेक्टेयर, 800-1000 हेक्टेयर और 1200-1600 हेक्टेयर है। इसके अतिरिक्त दूसरे मध्य व छोटे शहरों के चारों ओर भी दूषित जल का स्तर भी दिन प्रतिदिन बढ़ रहा है जिसको ताजी सब्जी उत्पादन के लिये उपयोग में लाया जा रहा है। हालाँकि सब्जियों में जीवाणु और अन्य विषाणुओं का प्रकोप इस बात पर निर्भर करती है कि सिंचाई के लिये प्रयोग किया जाने वाला पानी, ग्रेड ए - (नहाने व कपड़े घोने के बाद का शेष पानी) ग्रेड बी - काला पानी (जिसमें मनुष्य का मल शामिल होता है) या ग्रेड सी-कारखानों से निकलने वाला गन्दा पानी है। कारखानों से निकलने वाले पानी में बहुत सारे रसायन तथा भारी तत्व इत्यादि विद्यमान होते हैं जो कि मनुष्य के जीवन के लिए बहुत बड़ा खतरा है। कुछ भारी तत्व जैसे कॉपर, सिलेनीयम, जस्ता आदि थोड़ी मात्रा में मनुष्य के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होते हैं परन्तु जब इनकी मात्रा मनुष्य के शरीर में

निर्धारित मात्रा से अधिक बढ़ जाती है तो जहर का काम करती है। आम तौर पर गन्दे नाले के पानी में सबसे ज्यादा मात्रा में सीसा, केडमियम, कॉपर, कोमियम, सिलेनियम और पारा पाया जाता है तथा कुछ फसलें जैसे हरे पत्तेदार सब्जियाँ, जड़ वाली सब्जियाँ तथा गोभी वर्गीय सब्जियाँ इन्हें बहुत जल्दी भूमि से ग्रहन कर लेती हैं तथा इनमें इन भारी तत्वों की मात्रा निर्धारित सीमा से कई गुणा बढ़ जाती है जिसका मनुष्य के दमाग चमड़ी, किडनी आदि पर गहरा कुष्प्रभाव पड़ता है। गहन विचार-विमर्श व देश-विदेश के विभिन्न संस्थाओं में किए गए अनुसंधानों के बाद काफी हद तक हम इस निष्कर्ष पर पहुँच गए हैं कि हमारे कृषक जो इस प्रकार के क्षेत्रों में सब्जी उत्पादन करते हैं को यदि प्रदूषित जल का प्रयोग न करने के लिए तैयार कर लिया जाए तब उनके पास इसके अतिरिक्त इसके उचित व आकर्षक विकल्प क्या होंगे ताकि ऐसे कृषकों की आय व आजिविका पर इसका विपरित असर न पड़े।